संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -251 गुरूवार ,13 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# बंगलुरू में होगी विपक्षी दलों की आगामी बैठक

» सोनिया गांधी होंगी शामिल,खड़गे ने भेजा निमंत्रण

» 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक होगी

**बेंगलुरु,12 जुलाई 2023 (ए)।** अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों की एकता को मजबूत करने की तैयारी तेज हो गई है। पटना के बाद विपक्षी दलों की अगली बैठक 17 और 18 जुलाई को होगी। कर्नाटक के बेंगलुरु में कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी दलों की यह दूसरी एकता बैठक है। माना जा रहा है कि इस बैठक में राजनीतिक दलों के करीब 24 प्रमुख नेता शामिल होंगे।

### 24 राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे

सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में आठ नई पार्टियों ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने के लिए विपक्षी गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया है। पिछले महीने बिहार के पटना में विपक्ष की मेगा बैठक के बाद बेंगलुरु में होने वाली दूसरी बैठक में 24 राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे।

इनमें मारुमलारची द्रविड़, मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), कोंगु देसा मक्कल काची (केडीएमके), विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस (जोसेफ) शामिल हैं

और केरल कांग्रेस नए राजनीतिक दल हैं, जो बैठक में हिस्सा लेंगे।

### सोनिया गांधी भी हिस्सा लेंगी

इस बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी हिस्सा लेंगी। 2014 के लोकसभा चुनाव में केडीएमके और एमडीएमके बीजेपी के सहयोगी थे, लेकिन अब वह विपक्षी दलों में शामिल हो गए हैं। इस बैठक के लिए इन सभी दलों को एक साथ लाने का पूरा श्रेय कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को दिया जा रहा है।

विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं को संबोधित एक पत्र में, कांग्रेस अध्यक्ष ने उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई बैठक में अपनी भागीदारी की याद दिलाई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने निमंत्रण पत्र में कहा कि पटना बैठक एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हम हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खतरे में डालने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम थे और सर्वसम्मति से अगला आम चुनाव एक साथ लडने पर सहमत हुए।

### आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण

कांग्रेस अध्यक्ष ने नेताओं को याद दिलाया, हमने जुलाई में फिर से मिलने का फैसला किया है। पत्र में आगे कहा गया, मेरा मानना है कि इन चर्चाओं को जारी रखना और हमने जो गति बनाई है उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमारा देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान खोजने के लिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है। मैं आपसे 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली बैठक में शामिल होने का अनुरोध करता हूं।

# दिल्ली और हरियाणा में बाढ़ का खतरा

## हिमाचल के पर्यटन स्थलों पर फंसे 17 हजार सैलानी

### अब तक 91 की मौत

**नई दिल्ली,12 जुलाई 2023 (ए)।** उत्तर भारत सहित देश के कई राज्यों में बारिश अपना कहर बरपा रही है। उत्तर भारत के कई राज्यों बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली में भी यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। ऐसे में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। बाढ़ के साथ-साथ दिल्ली में डेंगू फैलने का भी खतरा मंडरा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी में आज (बुधवार) सुबह पांच बजे तक यमुना का पानी 207.08 मीटर पर पहुंचा गया, जो 10 साल का हाईलेवल है। इससे पहले साल 2013 में यमुना का जल स्तर 207.32 मीटर पर

पहुंचा था। संभावित बाढ़ के खतरे के मद्देनजर यमुना के किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया हैं। जानकारी के मुताबिक लाल किला के पास पुराने लोहे के पुल से रेल और वाहन संचालन रोक दिया गया है। वहीं, उत्तराखंड में पत्थर गिरने और भूस्खलन से मध्य प्रदेश के तीन गंगोत्री तीर्थयात्रियों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, हिमाचल के कुल्लू के पर्यटन स्थलों-मनाली, मणिकर्ण व बंजार में 17 हजार सैलानी फंसे हैं। चारधाम यात्रा भी बाधित हुई है। वहीं, अब तक 91 लोगों की मौत हो चुकी है।

हथिनीकुंड बैराज से 3.59 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से दिल्ली में यमुना का पानी और बढ़ गया है। यमुना व घग्गर में बाढ़ से हरियाणा के पानीपत में नवादा व तामशाबाद में बांध टूट गए हैं। कुरुक्षेत्र, हिसार, करनाल, भिवानी और यमुनानगर के सैकड़ों गांवों में पानी घुस गया है।

# दिल्ली में फिर श्रद्धा जैसा हत्याकांड

» गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास टुकड़ों में मिला लड़की का शव

**नई दिल्ली,12 जुलाई 2023 (ए)।** देश की राजधानी दिल्ली अपराध की राजधानी बनती जा रही है। दिल्ली में महिलाओं से अपराध के मामले तेजी से बढ़ रहे है। इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां गीता कॉलोनी फ्लाईओवर इलाके के पास से एक लड़की का शव मिला है। बताया जा रहा है कि शव कई टुकड़ों में काटा गया है। शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। वहीं, सूचना मिलने ही पुलिस भी जांच के लिए मौके पर पहुंच गई है फिलहाल लड़की की पहचान नहीं हो पाई है।पुलिस की ओर से

आसपास के इलाके में लापता महिलाओं का पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल भी की जा रही है। माना जा रहा है कि रात के अंधेरे में किसी ने शव के टुकड़ों को यहां आकर फेंका है। घटना को कहीं और अंजाम दिया गया है। कत्ल करने के बाद शव को टुकड़ों में बांटा गया और फिर गीता कॉलोनी के फ्लाओवर के पास आकर ठिकाने लगा दिया गया।बता दें कि इससे पहले दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में श्रद्धा की भी इसी तरह हत्या करके टुकड़ों में बांटकर उसके शव को ठिकाने लगाया गया था। श्रद्धा के प्रेमी आफताब को गिरफ्तार किया गया था। आफताब अभी जेल में है।

# गैंगस्टर कुलदीप जघीना को बदमाशों ने गोलियों से भूना

» पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची झोंक दिया वारदात को अंजाम

**भरतपुर,12 जुलाई 2023 (ए)।** राजस्थान के भरतपुर में गैंगस्टर कुलदीप सिंह जघीना की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वारदात को उस समय अंजाम दिया गया, जब पुलिस कुलदीप को पेशी पर भरतपुर कोर्ट ला रही थी। बदमाशों ने पुलिस की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर गैंगस्टर को गोली मार दी।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार को भरतपुर कोर्ट में कृपाल जघीना हत्याकांड के आरोपियों की पेशी थी। टोल नाके के पास आरोपी कुलदीप जघीना और विजयपाल पर फायरिंग हुई। विजयपाल घायल है। उसे आरबीएम अस्पताल में भर्ती

करवाया गया है। एक दर्जन से अधिक फायर किए गए हैं। गोलीबारी में जिस वाहन का इस्तेमाल किया गया था, उसे जब्त कर लिया है। सीसीटीवी के आधार पर फायरिंग करने वालों की पहचान कर ली गई है, लेकिन अभी पहचान उजागर नहीं की गई है।कुलदीप सिंह जघीना एक भाजपा नेता की हत्या में आरोपी था। राजस्थान के डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया, गैंगस्टर कुलदीप जघीना की भरतपुर के अमोली टोल प्लाजा पर कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस उसे कोर्ट ले जा रही थी। हत्या में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के लोग शामिल थे। भरतपुर एसपी मौके समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं।

# धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में मची अफरा-तफरी

**नई दिल्ली,12 जुलाई 2023 (ए)।** बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के ग्रेटर नोएडा में लगे दरबार में उस समय अफरातफरी मच गई जब लोग बेहोश होकर गिरने लगे।

दरअसल, जब लोगों को जानकारी मिली कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दरबार लगने वाला है। हजारों की तादाद में लोग प्रोग्राम में इकठ्ठा हो गए। वहीं भारी भीड़ की वजह से गर्मी और उमस ने लोगों की हालत खराब कर दी। इस वजह से लोगों की

तबीयत बिगड़ने लगी और कई श्रद्धालु बेहोश होकर गिरने लगे। पुलिस ने इसके बाद आयोजकों से कार्यक्रम को समाप्त करने की घोषणा की और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कार्यक्रम समाप्त करना पड़ा।

बाबा के दरबार में चरमराई व्यवस्था दिल्ली एनसीआर में इन दिनों बारिश हो रही है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इसी वजह से बुधवार को भी बारिश की संभावना के चलते दरबार वाली जगह में कोई फैन, कूलर वहां चल नहीं रहा था। इससे भारी भीड़ और उमस की वजह से पंडाल में आए कई लोगों की तबीयत खराब हो गई। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का दरबार 16 जुलाई तक लगेगा।

# असम में 48,747 लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित

**गुवाहाटी ,12जुलाई 2023 (ए)।** असम में कम से कम 48,747 लोग अब भी विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहे हैं। इनमें बिश्वनाथ, धेमाजी और लखीमपुर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, 48,747 में से लखीमपुर जिले में 29,757

लोग, बिस्वनाथ में 15,461 लोग और धेमाजी में 2,715 लोग बाढ़ प्रभावित हैं।बुलेटिन में कहा गया है कि हालिया बाढ़ में सात लोगों की मौत हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोई नई मौत नहीं हुई है। लखीमपुर जिले में, कम से कम 67 गांव और 5,45.50 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न है।

# बंगाल में हिंसा पर विपक्ष का कुनबा खामोश क्यों: रविशंकर प्रसाद

### फैक्ट फाइंडिंग टीम के मुखिया ने उठाए गंभीर सवाल

**कोलकाता,12जुलाई 2023 (ए)।** चुनावी परिणाम को लेकर राज्य भर में संघर्ष की घटनाएं घट रही है। दक्षिण 24 परगना जिले का भांगड़ अंचल में फिर बीते 24 घंटे में खूनी संघर्ष में तीन लोगों की मौत गोली लगने से हो गई तो दूसरी ओर आज भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भाजपा की चार सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम कोलकाता पहुंची। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इतनी मौत हुई है। इतनी हत्याएं हुई है। इतनी गोलीबारी हुई है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। वे लोग उत्तर बंगाल भी जाएंगे। पीड़ित से मिलेंगे और सभी से मिलेंगे। यह घटनाएं क्यों हुई है? इसकी पड़ताल करेंगे और राष्ट्रीय आध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। मीडिया कर्मियों से बातचीत में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर ममता बनर्जी के साथ-साथ राहुल गांधी और सीताराम येचुरी पर भी

निशाना साधा। कहा कि बंगाल में कांग्रेस और माकपा के कार्यकर्ता भी मारे जा रहे हैं, लेकिन विपक्ष का कुनबा खामोश क्यों हैं। आजाद भारत में ग्राम पंचायत के चुनाव 48 लोग मारे जाए लेकिन क्या विपक्ष के लिए कोई विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बीमार लोकतंत्र का शर्मनाक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत ने देखा कि चुनाव के दिन क्या हुआ। ऐसा पहले बिहार में होता था। कल वोटों की गिनती में लोग मारे गए और तृणमूल कह रही है कि विपक्ष में से कोई जीतेगा तो सर्टिफिकेट तभी मिलेगा जब वह तृणमूल में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि ममता जी को आपको फेसबुक पर क्यों बताना पड़ रहा है? आप मीडिया के सामने क्यों नहीं बोल पा रही हैं? दरअसल, 48 लोग मर गए, आपको इस पर शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि उम्मीद करता हूं कि फैक्ट फाइंडिंग की टीम में शामिल हम चारों एमपी क्षेत्रों को ममता बनर्जी इलाकों में घूमने देंगी। ममता बनर्जी आपका प्रजातात्रिक विश्वासनीयता टेस्ट पर है।

# अडानी हिंडनबर्ग मामले में जारी रहेगी सेबी की जांच

» एससी ने दिया 14 अगस्त तक का समय

» 14 अगस्त तक मामले में अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी

**नई दिल्ली ,12 जुलाई 2023 (ए)।** अडानी ग्रुप और हिंडनबर्ग केस की सुनवाई अब एक महीने बाद होगी। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने बाजार नियामक सेबी को इस मामले में 14 अगस्त तक जांच जारी रखने की इजाजत दे दी है। मंगलवार को सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाते हुए चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने सेबी जांच की स्थिति पर संज्ञान लिया। नियामक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि इस मामले की जांच यथासंभव तेजी से चल रही है।

इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने जवाब दाखिल कर दिया है। एक अन्य याचिकाकर्ता जया ठाकुर के वकील वरुण ठाकुर ने कहा, रिपोर्ट खुद कहती है कि जांच एजेंसियां जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं।

इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आपत्ति जताई।

इस पर चीफ जस्टिस ने भी कहा कि रिपोर्ट में ऐसा कुछ नहीं है और कहा कि ये आपके मन का विचार है। वकील एमएल शर्मा की ओर से अनुरोध किया गया था कि कोई भी पक्ष हमें अपने जवाब की प्रति नहीं दे रहा है अदालत को इस संबंध में सभी को निर्देश देना चाहिए।

### सॉफ्ट कॉपी देनी होगी

अदालत ने निर्देश दिया कि सेबी के हलफनामे की एक सॉफ्ट कॉपी याचिकाकर्ताओं को दी जाए और साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सॉफ्ट कॉपी अदालत के समक्ष पेश की जाए और इसे रिकॉर्ड पर अपलोड किया जाए। इस पर तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी को सॉफ्ट कॉपी मिले।

### सेबी ने हलफनामे में क्या कहा?

सोमवार को अदालत में दायर एक हलफनामे में सेबी ने कहा कि 2016 से अडानी समूह की कंपनियों की जांच नहीं करने के सभी दावे निराधार हैं। सुप्रीम कोर्ट को विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों से अवगत कराने के साथ ही रिपोर्ट पर उचित आदेश पारित करने की भी अपील की गई।

## संपादकीय

# सरकारी चावल के खरीदार नहीं

यह बहुत विंडबना वाली स्थिति है कि केंद्र सरकार ने अचानक राज्यों को चावल बेचने पर रोक लगा दी और अब उसके चावल के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई को निर्देश दिया कि वह घरेलू बाजार के लिए लागू ओपन मार्केट स्कीम के तहत राज्यों को चावल बेचना बंद करे। इसके बदले सरकार ने ई-ऑक्शन के जरिए चावल बेचने का निर्देश दिया। सरकार ने जब यह आदेश जारी किया तो कहा गया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की मुफ्त चावल बांटने की योजना को फेल करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि एफसीआई ने कर्नाटक सरकार को चावल देने पर सहमति जता दी थी लेकिन बाद में केंद्र सरकार ने उसकी अन्न भाग्य योजना को विफल करने के लिए चावल बेचने से इनकार किया है। राज्य सरकार ने बाजार की कीमत पर चावल खरीदने की इच्छा जताई थी फिर भी उसे चावल नहीं मिला।

अब खबर है कि एफसीआई ने चावल की नीलामी शुरू की तो उसे खरीदार नहीं मिला। ध्यान रहे नीलामी की प्रक्रिया में सिर्फ निजी खरीदार ही हिस्सा ले सकते हैं। सरकारों को इसमें हिस्सा लेने की अनुमति नहीं है। एफसीआई ने 3.86 लाख मीट्रिक टन चावल की नीलामी का टेंडर किया था लेकिन उसको सिर्फ 170 मीट्रिक टन की बोली मिली है। इसमें सबसे ज्यादा 70 मीट्रिक टन का ऑर्डर महाराष्ट्र का है। उसके बाद गुजरात का 50 और कर्नाटक का 40 मीट्रिक टन का ऑर्डर है। पूर्वोत्तर के राज्यों से 10 मीट्रिक टन का ऑर्डर मिला है। एफसीआई ने पंजाब के लिए डेढ़ लाख मीट्रिक टन रखा था लेकिन किसी ने बोली नहीं लगाई। एफसीआई ने नीलामी की कीमत प्रति क्विंटल 3,173 रखी है और जिस 170 मीट्रिक टन की बोली लगी है उसकी औसत कीमत 3,175.35 रुपए रही। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि कर्नाटक सरकार 34 सौ रुपए प्रति क्विंटल की कीमत पर खरीद करने को तैयार थी।

# आपदा से सबक नहीं लेती हैं सरकारें

देश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से तबाही मची है। उत्तर भारत के सात राज्यों में 48 घंटे के भीतर 56 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों घर टूटे हैं, गाड़ियां नदियों में बह गई हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब की नदियां उफान पर हैं और राजधानी दिल्ली में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली में बारिश का 41 साल का रिकॉर्ड टूटा है तो हिमाचल प्रदेश में 52 साल का रिकॉर्ड टूटा है। देश में मॉनसून के पूरे सीजन में जितनी बारिश होनी चाहिए उससे अधिक बारिश अभी तक हो चुकी। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई जगह बादल फटे हैं और भूस्खलन की घटना हुई है। देश के पहाड़ी और ग्रामीण इलाकों के साथ साथ राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों- गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद आदि में भी त्राहिमाम की स्थिति है। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बारिश की वजह से इतना पानी जमा हो गया कि स्कूल बंद करने पड़े और लोगों से घर से ही काम करने को कहना पड़ा। भारत के सिलिकॉन वैली यानी बेंगलुरू में भारी बारिश से लोगों का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हुआ।

सवाल है कि ऐसा क्यों हो रहा है? जिससे भी यह सवाल पूछा जाता है उसका जवाब होता है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से इंसान मौसम का यह अतिरेक झेलने को अभिशप्त है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का पूरा चक्र बदल दिया है। अत्यधिक बारिश, अत्यधिक सर्दी और अत्यधिक गरमी अब सामान्य बात हो गई है। जलवायु परिवर्तन की घटना इतनी तेजी से हो रही है कि वैज्ञानिकों के सारे अनुमान फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिक इस दशक के अंत तक वैश्विक तापमान 17 डिग्री पहुंचने का अनुमान लगा रहे थे। लेकिन पिछले सोमवार यानी तीन जुलाई को वैश्विक तापमान औसतन 17 डिग्री से ऊपर चला गया। यह अभी रूकने वाला नहीं है। जैसे जैसे धरती गर्म होगी वैसे वैसे ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का स्तर बढ़ेगा और उसी अनुपात में सर्दी, गर्मी और बारिश बढ़ती जाएगी। तत्काल इसे रोकना इंसान के वश में नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद मौसम के अतिरेक से पैदा होने वाली आपदा से निपटने के बेहतर उपाय किए जा सकते हैं। उससे जान-माल का नुकसान कम से कम हो यह सुनिश्चित किया जा सकता है। लेकिन अफसोस की बात है कि भारत में सरकारें हर साल आने वाली आपदा से कोई सबक नहीं सीखती हैं।

पिछले कोई दो दशक में शायद ही कोई साल होगा, जब मॉनसून के सीजन में देश के किसी न किसी हिस्से में कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा नहीं आई होगी। 26 जुलाई 2005 का मुंबई का जल प्रलय पिछले दो दशक की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। दो दिन में भयंकर बारिश से देश की पूरी वित्तीय राजधानी अस्त-व्यस्त हो गई थी। मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए थे और कोई 11 सौ लोग मारे गए थे। इससे ठीक एक महीने पहले जून के महीने में समूचा गुजरात भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुआ था। इसके तीन साल बाद बिहार के कोशी में भयंकर बाढ़ आई थी, जिसमें ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हुए थे। करीब तीन लाख घर नष्ट हुए थे और साढ़े आठ लाख एकड़ में लगी फसल नष्ट हुई थी। ऐसे ही जून 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आई बाढ़ इस सदी की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है, जिसमें छह हजार के करीब लोग मारे गए थे और साढ़े चार हजार गांव तबाह हुए थे। सैकड़ों लोग बाढ़ में बह गए, जिनके शव का पता नहीं चला। मुंबई, कोशी और केदारनाथ ये तीन पिछले दो दशक की प्रतीक घटनाएं हैं, जिनकी स्मृतियां अब भी जीवित हैं। इसके अलावा हर साल देश के किसी न किसी हिस्से में मॉनसून के समय अत्यधिक बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की बड़ी घटनाएं होती हैं लेकिन ऐसा लगता है कि उसे मौसमी बीमारी की तरह की एक बीमारी मान कर जल्दी ही भुला दिया जाता है। लंबे समय में ऐसी घटनाओं के दोहराव की संभावना को देखते हुए बचाव के स्थायी उपाय नहीं किए जाते हैं। भारत में सरकारें और आपदा से निपटने वाली संस्थाएं घरेलू और वैश्विक घटनाओं से कोई सबक नहीं लेती हैं। जापान की मिसाल सबके सामने है, जहां आए दिन भूकंप और सुनामी की घटनाएं होती हैं। लेकिन बड़े से बड़े भूकंप में भी वहां जान-माल का नुकसान न्यूनतम होता है और जन-जीवन सामान्य रूप से चलता रहता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि प्रकृति को समझते हुए वहां के शासकों ने बुनियादी ढांचे का ऐसा निर्माण किया है, जिसमें न्यूनतम नुकसान की संभावना रहे। भारत में इसका उलटा होता है। भारत में प्राकृतिक आपदा की आशंका वाले क्षेत्र में भी अंधाधुंध निर्माण होता है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में इतनी पनबिजली की परियोजनाएं लगी हैं, दवा की इतनी फैक्टरियां बनी हैं और पर्यटकों के लिए इतने रिसॉर्ट व होटल बने हैं कि समूचा पहाड़ खोखला हो गया है। जरा सी बारिश या बादल फटने की घटना होते ही पहाड़ दरकने लगते हैं। यह सिर्फ दो राज्यों की परिघटना नहीं है। हर पहाड़ी राज्य में विकास के नाम पर अंधाधुंध जंगल और पहाड़ काटे जा रहे हैं, जिसका खामियाजा हर साल आम लोगों को भुगतना पड़ता है।

जहां तक महानगरों और बड़े शहरों की बात है तो वहां दो कारणों से हर साल बारिश में बाढ़ के हालात बनते हैं और मॉनसून की बारिश लोगों के लिए आफत लेकर आती है। सबसे पहला कारण तो यह है कि महानगरों और शहरों को बेतरतीब तरीके से बढ़ने दिया गया है। अंधाधुंध शहरीकरण हुआ है और चारों तरफ कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। अवैध निर्माण बड़ी संख्या में हुआ है, जिससे इमारतें कमजोर हुई हैं और बारिश में उनके गिरने का खतरा बढ़ गया है। दूसरा कारण यह है कि किसी भी महानगर या बड़े-छोटे शहर में पानी के निकासी की अच्छी व्यवस्था नहीं हुई है। हर शहर पर आबादी का बोझ बढ़ा है और ड्रेनेज या सीवेज का सिस्टम वहीं पुराना है। शहरों के बीच या बगल से बहने वाली नदियां गाद से भरी हुई हैं। उनका तल ऊंचा हो गया है, जिससे जरा सी बारिश होते ही नदियां उफनने लगती हैं।

राजधानी दिल्ली के बीचों बीच बहने वाली यमुना की सफाई पर बरसों से काम हो रहा है, लेकिन पांच फीसदी भी यमुना साफ नहीं हुई है। दिल्ली सरकार ने 2011 में आईआईटी दिल्ली को एक ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बनाने को कहा था। सात साल के बाद 2018 में आईआईटी ने मास्टर प्लान दिया था और 2021 में उसे लागू किया गया लेकिन तत्काल ही रोक दिया गया क्योंकि उससे दिल्ली की समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। बाद में 2022 में दिल्ली सरकार ने एक कॉम्प्रिहेंसिव ड्रेनेज मास्टर प्लान का टेंडर निकाला लेकिन उस पर कोई अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। सोचें, राष्ट्रीय राजधानी की यह स्थिति है कि पिछले 12 साल से ड्रेनेज सिस्टम का मास्टर प्लान बन रहा है? यही स्थिति गुरुग्राम से लेकर समूचे एनसीआर की है।

सो, पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी राज्यों तक और महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर साल मॉनसून के सीजन में कोई न कोई प्राकृतिक आपदा आ रही है। इसे प्रकृति की चेतावनी समझना चाहिए और किसी बड़े खतरे से निपटने की तैयारी करनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से सरकारें और आपदा प्रबंधन करने वाली एजेंसियां हर काम तात्कालिकता में करती हैं। वे लंबे समय की योजना नहीं बनाती हैं। यही कारण है कि बारिश होते ही जन-जीवन ठप्प हो जाता है। सड़क परिवहन से लेकर ट्रेन और विमानन सेवाएं स्थगित हो जाती हैं। कहीं लोग बाढ़ में बह जाते हैं, कहीं उनके घर गिर जाते हैं, कहीं जल-जमाव में गाड़ी फंस जाती हैं, कहीं करंट लगने से लोग मरते हैं तो कहीं बिजली गिरने से लोगों की मौत होती है। यह सही है कि प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता है लेकिन आपदा से सबक लेकर उससे होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के उपाय जरूर किए जा सकते हैं।

**अजीत द्विवेदी**

# संगति का असर

बहुत पुरानी बात है। बोरसी नामक एक घना जंगल था। वन की दक्षिण दिशा में किरवई नदी बहती थी। नदी की काली-कच्छार भूमि से लगी एक बहुत बड़ी खुली जगह थी। उस जगह का नाम टीला था। वहाँ कई तरह के पक्षी रहते थे। इनमें एक कौए का परिवार था। उसके बच्चों के साथ एक कोयल का भी बच्चा था। उसका नाम था पीहू। उसे सब पीहूरानी कहकर बुलाते थे।



## बाल कहानी

उस पीहू कोयल को पता ही नहीं था कि उसके माता-पिता कौन है। आखिर उसका बचपन कौए के बच्चों के साथ बिता था। पर अब वह वयस्क हो चुकी थी। उसके माता-पिता कौए के घोंसले में अंडा देकर चले गये थे। कौए के बच्चों के साथ पीहू की परवरिश हुई थी। उसका खानपान, व्यवहार व रहन-सहन कौए जैसा था। यहाँ तक उसकी आवाज कर्कश हो गयी थी। अब तक वह अपनी जाति के पक्षी को देखा नहीं था।उसे तो अपनी ही आवाज अच्छी नहीं लगती थी।

अक्सर वह कौए के बच्चों से बतियाया करती थी कि उसे उसकी आवाज बिल्कुल भी पसंद नहीं है। बेसुरा लगता है। किसी से बात करने का तो मन ही नहीं करता। पीहू की आवाज काँव-काँव तो नहीं थी, पर कौए के बच्चों से मिलती जरूर थी। कभी-कभी वह गीत गाने का भी प्रयास करती थी, लेकिन कौए के बच्चों के साथ रहकर उसकी कोशिश रंग में भंग हो जाती थी।

एक दिन पीहू बहुत उदास थी। कौए के साथ रहने का उसका बिल्कुल मन नहीं कर रहा था। अचानक वह उड़ गयी वहाँ से। एक आम के बगीचे में जा पहुँची। फलों से लदे पेड़ देख कर उसका मन आनंदित हो उठा। प्रकृति के सौंदर्य को वह बार-बार निहारती रही। आम का बगीचा उसे स्वर्ग सा लगा। वह एक डाली से दूसरे डाली पर उड़-उड़ कर जाती थी, तो कभी पत्तियों में छिप जाती। ठंडी-ठंडी चलती पुरवाई उसे भा गयी।

इस तरह साँझ होने लगी। जब सूरज ढलने लगा तो उसकी लालिमा आम के फलों में पड़ने लगी। आम और भी खूबसूरत दिखने लगे। पीहू को वहाँ से जाने का बिल्कुल मन ही नहीं हुआ। संध्या होते ही बगीचे में रहने वाले पक्षी आने लगे। उन पक्षियों में पीहू को अपनी जाति के पक्षी भी दिखाई देने लगे। उन्हें देख पीहू घबरा गयी कि वे उसे भगा न दे। वह तुरन्त पेड़ की पत्तियों में छिप गयी। डालियों पर बैठी अन्य कोयल एक-दूसरे से जब बातें करती थी, तो पीहू को बहुत ही अच्छा लगता था। उनकी आवाज में बड़ी मिठास थी। उसने स्वयं को और उन्हें देखने लगी। वे रंग-रूप में अपने जैसे लगे। पीहू सोच में पड़ गयी कि वह तो कौए का बच्चा है। भला इनके साथ कैसे रह सकती है। वहाँ से वह उड़ने ही वाली थी कि अन्य कोयल उसे देख लिये; और अपने पास बुलाकर पूछने लगे-अरी... ! तुम कहाँ से आई हो। बहुत डरी हुई हो; और क्यों ? पीहू के मुँह से जरा सी भी आवाज नहीं निकल पा रही थी। उसे अपने आप में शर्म महसूस हो रही थी कि दोनों की आवाज में कितना फर्क है। अगर मैं इनके सामने कुछ बोलूँगी तो सभी मेरा मजाक उड़ाएँगे। अंततः ऐसा ही हुआ।

तभी एक कोयल पीहू से बोली- घबराओ मत। तुम कुछ तो बोलो। तुम तो हमारी जाति की हो। बोलो... बोलो....। पीहू जैसे ही कुछ बोलने की कोशिश कर रही थी बाकी कोयल और उनके बच्चे हँसने लगे, क्योंकि पीहू की आवाज कर्कश थी। उन्हें हँसते देख पीहू को रोना आ गया। तभी एक कोयल ने उसके आँसू पोछते हुए बोली- इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। गलती तो हमारी है कि हम अपने घोंसले नहीं बनाते। कौए के घोंसले में अंडे देते है। और तुम जैसे बच्चे हमारी इसी गलती की वजह से फँस जाते हैं। तुम्हारी आवाज का कर्कश होना; तुम्हारा वहाँ रहना ही है। पीहू सुबकते हुए बोली- अब मेरी आवाज आप लोगों की आवाज जैसी सुरीली व मीठी कैसे होगी। एक दूसरे कोयल ने कहा- चिंता न करो पीहूरानी। अब से तुम हम सबके साथ रहोगी। तुम रोज मीठे-रसीले आम व अन्य मौसमी फल खाओगी। नदी व झरने का मीठा जल पियोगी। और ठंडे छायेदार वृक्षों में रहोगी; साथ ही साथ रोज गीत गाने की कोशिश करेगी तो तुम्हारी आवाज सुरीली व मीठी हो जायेगी। फिर सब तुम्हें पसंद करेंगे।

उस दिन से पीहू कोयल रोज रसीले आम का आनंद लेने लगी। गाने का भी अभ्यास करने लगी। धीरेधीरे उसकी आवाज सुरीली होने लगी। आवाज मिठास आ आने लगी। पीहू खुश हो गयी। वह सबको रोज गीत गा-गाकर कर सुनाने लगी। इस तरह पीहू कोयल को अपनी स्वयं की आवाज मिल गयी।



**प्रिया देवांगन प्रियू**
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

# अब जीएसटी चोरी की तो ईडी का डंडा चलेगा

» **विपक्ष ने टैक्स आतंकवाद की संज्ञा दी**

» **जीएसटी काउंसिल की 50 वीं बैठक के निर्णय दूरगामी परिणामों में मील का पत्थर साबित होंगे**

» **ऑनलाइन गेमिंग,कैसीनो हॉर्स रेसिंग,सट्टा पर 28 प्रतिशत तो कैंसर दवाएं जीएसटी से फ्री से,आम जनता में सुरक्षा संदेश**

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश में उसकी प्रगति का प्रमुख आधार उसका टैक्स स्ट्रक्चर होता है जिसके आधार पर टैक्स कलेक्शन होता है, जिससे उस देश का विकास होता है, क्योंकि इस विकास का मुख्य स्त्रोत टेक्स होता है इसलिए हर देश अपने-अपने स्तर पर टैक्स का दायराबढ़ाने के तरीकों पर विचार कर उसे लागू करने के प्रयास करते रहते हैं ताकि टैक्स पर किसी को कोई दिक्कत भी ना हो और स्वेच्छा से टैक्स भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित हो इसलिए इसी राह पर भारत भी बड़ी संजीदगी से चल रहा है जिसका परिणाम हर महीने जीएसटी कलेक्शन में पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नए नए आयाम बनते जा रहे हैं। हालांकि टैक्स कलेक्शन का दायरा बढ़ाने के साथ उसकी चोरी और लीकेजेस को रोकने के लिए भी कठोर कदम उठाने की जरूरत आन पड़ी है, क्योंकि कहावत है हर कानून की तोड़ निकल ही आती है। इसलिए इसे गंभीरता से लेते हुए वित्त मंत्रालय ने 2 दिन पूर्व एक अधिसूचना जारी कर जीएसटी में ईडी याने धन शोधन प्रधान अधिनियम (पीएमएलए) 2022 में संशोधन कर उसका दायरा बढ़ाकर जीएसटी की प्रौद्योगिकी इकाई संभालने वाली जीएसटीएन को उन इकाइयों में शामिल कर दिया गया है जिसे विपक्ष ने कर आतंकवाद की संज्ञा दी है। चूंकि दिनांक 11 जुलाई 2023 को देर शाम जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक संपन्न हुई जिसमें ऑनलाइन गेमिंग कैसीनो हॉर्स रेसिंग सट्टा पर 28 प्रतिशत जीएसटी और कैंसर दवाओं पर आईजीएसटी फ्री पर मोहर लगाई गई और विपक्ष का जीएसटी में ईडी मामले पर चर्चा के लिए हंगामा भी हुआ इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सावधान ! अब जीएसटी की चोरी की तो ईडी का डंडा पड़ेगा, विपक्ष ने टैक्स आतंकवाद की संज्ञा दी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी काउंसिल की दिनांक 11 जुलाई 2023 को देर रात संपन्न हुई 50 वीं बैठक की करें तो, माल व सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत कर लगाने पर सहमति जताई है। सिनेमाघर के अंदर खाने-पीने के सामान भी अब सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी परिषद की 50वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि हमने निजी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं के लिए जीएसटी पर छूट की पेशकश की है।

इसके अलावा ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कैसिनो पर 28 प्रतिशत (सभी तीन गतिविधियों) कर लगेगा और यह कर पूर्ण अंकित मूल्य पर कर लगाया जाएगा। हालांकि फिक्की गेमिंग कमिटी के प्रतिनिधित्व वाली शीर्ष ऑनलाइन गेमिंग फर्मों के एक समूह ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) से इस क्षेत्र के लिए जीएसटी दर को बढ़ाकर 28 प्रतिशत नहीं करने का आग्रह किया था। उनकी ओर से कहा गया, ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के अस्तित्व के लिए यह बेहद हानिकारक होगा क्योंकि कोई भी व्यावसायिक संचालन इस तरह के उच्च कर के साथ जारी नहीं रह सकता है।केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता में कैंसर दवाओं को जीएसटी से छूट मिली है। अगर कोई निजीउपयोग के लिए भी दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कैंसर की दवा डिनुटुक्सिमैब विदेशों से मंगाता है तो उस पर भी आईजीएसटी नहीं लगेगा। इसपर अभी तक 12 फीसदी कर लगता है। इसके एक डोज की कीमत 63 लाख रुपये तक है। इसी तरह फूड फॉर स्पेशल मेडिकल पर्पज (एफएसएमपी) के आयात पर जीएसटी से छूट को भी मंजूरी दे दी है। फिटमेंट कमेटी का कहना था कि जिस दवा की कीमत 26 लाख हो और जिसके लिए क्राउड फंडिंग से पैसा जुटाते हों, उसे जीएसटी के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए। मंत्रियों के समूह ने इस पर सहमति जताई थी।साथियों बातें कर हम वित्त मंत्रालय की एक पीएमएलए एक्ट 2022 के संशोधन की अधिसूचना की करें तो, वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए), 2022 में संशोधन किया है।इसके तहत जीएसटी की प्रौद्योगिकी इकाई संभालने वाली जीएसटीएन को उन इकाइयों में शामिल कर लिया गया है, जिनके साथ ईडी सूचना साझा कर सकता है। बैठक में दिल्ली और पंजाब सरकारों ने इन अधिसूचना पर चिंता जताते हुए इसपर चर्चा की मांग की। दिल्ली की वित्त मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, कई वित्त मंत्रियों ने यह मुद्दा उठाया। दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान ने चिंता जताते हुए कहा है कि इसपर परिषद में चर्चा होनी चाहिए। एक सज्जन कहा कि कई राज्यों ने चर्चा की मांग की है।अधिसूचना ईडी को जीएसटी का भुगतान नहीं करने पर किसी भी व्यवसायी को गिरफ्तार करने का अधिकार देती है। इस तरह के फैसले से देश में कर आतंकवाद बढ़ेगा और यह छोटे कारोबारियों और आम लोगों के लिए खतरनाक है। एक मंत्री ने कहा कि जीएसटीएन को पीएमएलए के तहत लाया गया है। इसका मतलब यह होगा कि चाहे आप छोटे या बड़े व्यवसाय में हों, यदि आप जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं, तो आप पर रिटर्न दाखिल करने में देरी जैसे अपराधों के लिए ईडी मुकदमा चला सकता है। राजस्व सचिव ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) का जीएसटी कानून से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जीएसटीएन की जानकारी को पीएमएलए के तहत लाने की अधिसूचना हमारी एजेंसियों को कर चोरी पर अधिक जानकारी के साथ सशक्त बनाएगी, जो उन्हें पहले नहीं मिल रही थी। सरकार ने जीएसटी कलेक्शन के लिए इस एक्ट का उपयोग किया जाएगा। इससे टैक्स चोरी करने वाले और डॉक्यूमेंट्स में हेराफेरी करने वालों पर लगाम लगाई जा सकती है। इस एक्ट में फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट, फर्जी चालान आदि शामिल किया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि फर्जी बिलिंग के जरिये होने वाले टैक्स चोरी को रोकने के लिए सरकार ने ये फैसला लिया है। इस फैसले के बाद ईडी को और ज्यादाअधिकार मिल जाएंगे।

साथियों प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट ,2022 को समझने की करें तो, इसे आम भाषा में समझें तो येजीएसटी नंबर के द्वारा पैसे की हेरफेर को ठिकाने में लगाया के लिए ये कानून काम करती है। ये एक तरह से मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के लिए किया जाता है। ये कानून 2005 में लागू किया गया था। इस कानून के तहत एडी आरोपी को गिरफ्तार करके उसके संपत्तियों को जब्त कर दिया जाता है। इसमें जांच के बाद ही कोर्ट द्वारा कोई फैसला लिया जाता है। छोटे व्यापारियों गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क की जानकारियों को अब पीएमएलए की धारा 66 (1) (iii) के तहत दी जाएगी। अब छोटे व्यापारियों को अपने अकाउंट रखने के लिए सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए अब वो अपना मंथली रिटर्न को अपलोड कर सकते हैं। यह एक मजबूत नेटवर्क है। इसे सरकार जीएसटी कलेक्शन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे सभी केंद्र और राज्य सरकारों, करदाता और बाकी स्टेकहोल्डर्स को एक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस देता है।गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क क्या काम करती है?ये लोगों को रजिस्ट्रेशन की सुविधा देती है। इसके जरिये सेंट्रल और स्टेट अथॉरिटी को रिटर्न फॉरवर्ड किया जाता है। इससे आईजीएसटी का केल्क्यूलेशन और सेटलमेंट किया जाता है। टैक्स की पेमेंट और बैंकिंग के नेटवर्क को मैच किया जाता है। इसके साथ ही इसके जरिये एमआईसी रिपोर्ट भी दी जाती है। टैक्सपेयर्स की प्रोफाइल का एनालिसिस भी इसके जरिये किया जाता है। मंगलवार 11 जुलाई को हुए रहे जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में आज कई विपक्षी शासित राज्यों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) के साथ जानकारी साझा करने की अनुमति देने के केंद्र के फैसले पर चिंता व्यक्त की है। एक पार्टी शासित पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि यह %टैक्स आतंकवाद% और छोटे व्यवसायों को डराने जैसा है। इन राज्यों के वित्त मंत्री ने उठाये सवाल

दिल्ली की वित्त मंत्री ने मीडिया को बताया कि दिल्ली, पंजाब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान के वित्त मंत्रियों ने अपनी चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इस पर जीएसटी परिषद में चर्चा की जानी चाहिए।सरकार के इस फैसले से होगा यह नुकसानपंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि कई राज्यों ने चर्चा की मांग की है। यह अधिसूचना ईडी को जीएसटी का भुगतान नहीं करने पर किसी भी व्यवसायी को पकड़ने की शक्ति देगी।







साथियों अगर हम जीएसटी काउंसिल की बैठक में अन्य राहत निर्णयों की करें तो, वित्त मंत्री ने बताया कि बिना पके हुए या बिना तले हुए एक्सट्रूडेड स्नैक पैलेट पर जीएसटी की दर 18 फ़ीसदी से घटाकर 5 फ़ीसदी कर दी गई है। मछली में घुलनशील पेस्ट पर भी दरों को 18 फ़ीसदी से घटाकर 5 फ़ीसदी कर दिया गया है। इमिटेशन जरी धागों पर कर की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। सिनेमाघर के भीतर मिलने वाले खाद्यपदार्थों पर जीएसटी घटाई गई। परिषद ने सिनेमा टिकटों की बिक्री और पॉपकॉर्न या कोल्ड ड्रिंक आदि जैसे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर लगने वाले कर के मामले में भी बड़ा फैसला लिया है।

अतः अगर हम लोग पूरे विवरण का अध्ययन कर उसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सावधान ! अब जीएसटी चोरी की तो ईडी का डंडा चलेगा!- विपक्ष ने टैक्स आतंकवाद की संज्ञा दी।जीएसटी काउंसिल की 50 वीं बैठक के निर्णय दूरगामी परिणामों में मील का पत्थर साबित होंगे।ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो हॉर्स रेसिंग, सट्टा पर 28 प्रतिशत तो कैंसर दवाएं जीएसटी से फ्री से, आम जनता में सुरक्षा संदेश का आभास हुआ।

**किशन सनमुखदास भावनानी**
गोंदिया महाराष्ट्र

## अंधभक्ति

पहले गर्दन में थी हांडी
सरक गया अब कंधे पर,
फंसी हुई थी तब भी, अब भी,
दुश्मन के दिये फंदे पर,
पहले जबरन टांगा जाता था,
सर्वस्व तेरा मांगा जाता था,
अब खुद ही तूने पहना है,
समझ रहा तू अपना गहना है,
थोपा जाता था पहले इसे
मानसिक गुलामी अब ओढ़ लिये,
खिलखिला रहा है अब भी तू
अंधभक्ति का कोढ़ लिये।

**राजेन्द्र लाहिरी**
पामगढ़
छत्तीसगढ़

## हे नौजवानों उठो,जागो

हे नौजवानों उठो,जागो
अपने शौर्य को जानो तुम।
तुम ही देश के हो कर्णधार
अपनी प्रतिभा पहचानो तुम।।
तुमसे ही देश समृद्ध,गुलज़ार
है तुमसे ही देश का बेड़ापार।
तुम ही देश की ताकत हो
हो तुम ही देश का आधार।।
कश्मीर से कन्याकुमारी तक
हो तुम ही देश के पहरेदार।
कच्छ से कामरूप तक
हो तुम ही देश के चौकीदार।।
तेरे हिम्मत से दुनिया टिकी है
हो तुम ही देश के असल कर्मवीर।
तुमसे ही देश की नींव सुदृढ़ है,
निचोड़ सकते हो पत्थर से नीर।।
तुम ही कृषक उत्साही हो
तुम ही देश के सिपाही हो।
हो तुम ही देश के पालनहार
हो भाग्यविधाता,तारणहार।।

**महेन्द्र साहू**
खलारीवाला
गुण्डरदेही
बालोद
छत्तीसगढ़

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# निजी अस्पताल की लापरवाही से महिला की मौत

क्या पैसे के लालच में आर्शीवाद हॉस्पीटल ने महिला को मौत के मुंह में ढकेला...जबकि गायत्री हॉस्पीटल मृतिका को आईसीयू में डालकर अपने नए भवन का भरपाई जल्द करने की हड़बड़ी में है...

**» परिजन ने थाने में की शिकायत**

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

अंबिकापुर में मानकों को ताक पर रख कर संचालित हो रहे निजी अस्पतालों की लापरवाही का खामियाजा लोगों को अपनी जान देकर उठाना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां एक निजी अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की वहज से एक महिला की मौत हो गई। दरअसल पीड़ित परिजनों का आरोप है कि ममता अग्रवाल नाम की महिला को पित्त की तैली में पथरी होने पर परिजन उसे शहर के ठाकुरपुर रेलवे स्टेशन के पीछे अजिरमा बेरियर के पास स्थित आशीर्वाद अस्पताल में भर्ती कराए थे। अस्पताल प्रबंधन ने महिला का लेजर पद्धति से ऑपरेशन करने की सलाह दी थी। जिस पर परिजन राजी हो गए। लेकिन लेजर आपरेशन न करने के बजाए डाक्टरों ने महिला का ओपन सर्जरी कर दिया। वहीं कुछ देर बाद महिला की तबियत बिगडने लगी। इधर अस्पताल में आईसीसी की सुविधा नहीं होने पर महिला को तत्काल बेहतर उपचार नहीं मिला पाया। ऐसे में परिजन गंभीर हालत में पीड़ित महिला को गायत्री अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बताया कि महिला का पल्स नहीं चल रहा है और उसका ब्रेन भी डेड हो चुका है। बावजूद उसके गायत्री अस्पताल बनारस रोड स्थित के डॉक्टरों ने महिला को आईसीयू में भर्ती कर दिया। वहीं कुछ घंटे उपचार करने के बाद डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकों की बड़ी लापरवाही की वजह से महिला की मौत हुई है। वहीं परिजनों ने निजी अस्पताल प्रबंधन पर सवाल खड़े किए हैं कि जब अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं थी तो किस आधार पर महिला का ओपन सर्जरी किया गया। महिला की मौत से सहमे परिजनों ने मामले की शिकायत गांधीनगर थाने में की है। साथ ही निजी दोनों अस्पताल के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने की मांग पीड़ित परिजनों ने की है।

## नशा से समाज की आर्थिक क्षति एवं अपराधों में होती है वृद्धि

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के समन्वय से जिले में संचालित नवा बिहान नशा मुक्ति अभियान एवं परामर्श केंद्र से जुड़े सदस्यों ने एसपी सुनील शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशा मुक्ति अभियान एवं परामर्श केंद्र के कार्यों एवं उपलब्धियों से एसपी को अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में संचालित नवा बिहान नशा मुक्ति अभियान से सरगुजा जिले में समुदाय में व्यापक जन जागरूकता हुई। समुदाय के द्वारा सरगुजा पुलिस के इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला है। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने कहा कि नशा से समाज की आर्थिक क्षति एवं अपराधों में वृद्धि होती है। सरगुजा पुलिस नशामुक्ति हेतु हरसंभव प्रयास करेगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय विवेक शुक्ला ने कहा कि नशा से युवा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं । वरिष्ठ समाजसेविका ब्रम्हकुमारीज केन्द्र अम्बिकापुर प्रमुख विद्या बहन ने जागरूकता अभियान एवं परामर्श के साथ ध्यान योग का माध्यम भी नशा पीड़ितों के लिए लाभदायक है। वरिष्ठ समाज सेविका वन्दना दीदी ने कहा कि नशा से समाज में महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं। वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय सरगुजा सम्भाग प्रभारी छत्तीसगढ़ एलायंस फॉर बिहैवियर चेन्ज सह निदेशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी ने कहा कि समुदाय एवं खासकर युवाओं में व्यवहार परिवर्तन के लिए सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के इस अभिनव पहल को छत्तीसगढ़ में ही नहीं वल्कि कई राज्यों में समुदाय के द्वारा सराहना किया गया। इस दौरान अनिल कुमार मिश्रा, आर्ट आफ लिविंग के अजय तिवारी, गायत्री परिवार से सरस्वती तिवारी एवं अमृता जायसवाल दीदी, सुनिधि शुक्ला शामिल रहे।

## मब्स महिला समूह का मिनी स्टोर का शुभारंभ

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

. ग्राम परसा की महिला उद्यमी बहुदेशीय सहकारी समिति (मब्स) ने जिले में उदयपुर विकासखंड के ग्राम गुमगा में एक मिनी स्टोर की शुरुआत की है। अदाणी फाउंडेशन की पहल से गुमगा गांव में शांतिग्राम टाउनशिप के व्यापारिक परिसर में सोमवार को मिनी स्टोर का उद्घाटन किया गया। मिनी स्टोर खोलने का मुख्य लक्ष्य स्थानीय निवासियों को ताजी और जैविक सब्जियां उपलब्ध कराना है, साथ ही मसाले, सैनिटरी पैड, हैंडवॉश, फिनाइल और डेयरी उत्पादों सहित मब्स द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन कर बिक्री करना है। मिनी-स्टोर के खुलने से मब्स को न केवल आय का एक अतिरिक्त स्रोत उत्पन्न होगी बल्कि संगठन में शामिल महिलाओं के समग्र विकास में भी योगदान देगी। इससे गांव के किसानों को सीधे उनसे उपज प्राप्त करने का भी लाभ मिलेगा। गांव में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और स्थानीय किसानों को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत स्थानीय समुदाय की सेवा के अलावा, मिनी स्टोर दीदी की रसोई और एवीएम स्कूल में सब्जियों की आपूर्ति करेगा। महिला उद्यमी बहुदेशीय सहकारी समिति की यह पहल अदाणी फाउंडेशन के सीएसआर टीम के सहयोग से संभव हुई है। मिनी स्टोर के उद्घाटन समारोह में अदाणी इंटरप्राइजेज से राम द्विवेदी (क्लस्टर एचआर प्रमुख) और सत्येन्द्र बघेल (क्लस्टर वाणिज्यिक प्रमुख) उपस्थित थे, जिन्होंने ग्रामीण समुदायों के उत्थान में ऐसी पहल के महत्व पर जोर दिया। राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड के सामाजिक सरकारों के तहत अदाणी फाउंडेशन द्वारा अपने परियोजना प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य, शिक्षा व स्वरोजगार के लिए कई कार्यक्रम संचालित करता है। वहीं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने ग्राम परसा में अदाणी फाउंडेशन द्वारा महिला बहूउद्देशीय सहकारी समिति (मर्यादित) की शुरुआत 20 जुलाई 2017 को की गई थी जिसमें पांच ग्रामों की 150 से अधिक महिलाएं शामिल हैं, और 60 से अधिक महिलाओं को समिति के द्वारा रोजगार प्रदान किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आजीविका संवर्धन के लिए मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराना है।

## 40 लीटर महुआ शराब के साथ महिला व युवक गिरफ्तार

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

40 लीटर महुआ शराब के साथ गांधीनगर पुलिस ने महिला व उसके सहयोगी युवक को गिरफ्तार किया है। महिला अपने घर के पास अवैध शराब बिक्री करने के लिए रखी थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना क्षेत्र अंतर्गत डेयरी फार्म रोड में एक महिला अपने घर के पास अवैध महुआ शराब बिक्री करने के लिए रखी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस ने उर्मिला यादव पति स्व. शिवकुमार यादव उम्र 38 वर्ष साकिन डेयरी फार्म रोड गांधीनगर एवं सरजीत व्यापारी पिता स्व.संतोष व्यापारी उम्र 30 वर्ष निवासी चठिरमा हाल मुकाम सुभाषनगर को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो चार अलग-अलग जरकिन में कुल 40 लीटर महुआ शराब पाया गया। पुलिस ने शराब को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने ली। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है। कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, सहायक उप निरीक्षक अलंगो दास, महिला आरक्षक त्रिलोचनी राजवाड़े, आरक्षक संजीव पाण्डेय, सतीश चौहान, अजय मिश्रा, ऋषभ सिंह,प्रमोद टेटे शामिल रहे।

## भक्ति गीतों और जीवंत झांकियों के साथ कांवरियों ने निकाली शोभायात्रा

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरिया सेवा संघ अंबिकापुर के तत्वावधान में कांवरिया पद यात्रा का आयोजन 13 जुलाई को किया जाना है। यह आयोजन पिछले 38 वर्षों से चला आ रहा है। 13 जुलाई की सुबह 5 बजे स्थानीय शंकरघाट से यात्रा प्रारंभ होकर लुचकी, चेन्द्रा, लमगांव से बतौली पहुंचेगी। यहां समस्त कावंरियां बुन्धुओं का प्रथम दिवस की यात्रा पश्चात रात्रि विश्राम एवं भोजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके बाद पुन- 14 जुलाई को कांवरिया की टोली बतौली से यात्रा प्रारंभ कर बिलासपुर, बांसाझाल होते हुए बाबा नगरी कैलाश गुफा पहुंचेगी। रात्रि भोजन पश्चात भजन संध्या एवं विश्राम की व्यवस्था संघ द्वारा किया गया है। संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बतायागया है कि इस यात्रा में बतौली, सीतापुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, पत्थलगांव, बलरामपुर, रायगढ़, परसा, बरियों, लुण्ड्रा, उदयपुर, लखनपुर सहित आसपास के जिले भर से लगभग 50 से 60 हजार कांवरियों की सम्मिलित होने की संभावना है। कांवरिया पद यात्रा में शामिल होने के लिए सरगुजा सहित आस पास के जिलों व पड़ोसी राज्यों से भी हजारों की तादाद में कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला बुधवार की दोपहर से ही शुरू हो गया था। पद यात्रा से पूर्व बुधवार की शाम को कांवरिया सेवा संघ के तत्वावधान में हजारों कांवरियों की मौजूदगी शोभायात्रा निकाली गई। बाजे-गाजे के साथ निकली शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों द्वारा स्वागत किया गया। कांवरिया यात्रा में शामिल होने के लिए काफी संख्या में शिव भक्त बुधवार की दोपहर से ही शहर में पहुंचना शुरू कर दिया हैं। शोभायात्रा में काफी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए। जहारों की संख्या में शव भक्तों के पहुंचने से शहर में पूरी रात रौनक बनी रही। देर रात से ही शिव भक्त शंकर घाट से जल उठाकर कैलाश गुफा के लिए रवाना होना शुरू कर दिया था। अलग-अलग टोली बनाकर बोल बम के नारों के साथ जत्थों का रवाना होने का सिलसिला चलता रहा। जगह-जगह कांवरियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य सुविधा का भी इंतजाम किया गया है। सेवाभावी लोगों द्वारा कांवरियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। हजारों कांवरियों की भारी भीड़ को देखते हुए शहर में पुलिस भी अलर्ट हो गई है। जिस मार्ग से कांवरिए गुजरेंगे, उसमें कांवरियों को किसी प्रकार के कोई दिक्कत न हो इसका भी ख्याल रखा जाएगा।

## एमआई हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर की संपत्ति होगी कुर्क

**-संवाददाता-**
**सूरजपुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

अनियमित वित्तीय कंपनी एमआई हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के डायरेक्टर के संपत्ति कुर्क करने के संबंध मे जिला प्रशासन ने आदेश जारी किए है। एमआई हेल्थ केयर ग्रूप लिमिटेड के डायरेक्टर अनिल कुमार व पश्चिम बंगाल (कोलकाता) के अन्य कंपनी के चेयरमैन द्वारा नमनाकला अम्बिकापुर में कार्यालय खोलकर सन 2011 से 2015 तक चिटफंड कंपनी चलाई जा रही थी। जिससे प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने जमीन की खरीदारी में किया था। संबधित विभागो द्वारा किये गए विभिन्न स्तर पर जांच के उपरांत यह पाया गया कि एमआई हेल्थकेयर प्रोडक्ट लिमिटेड तथा अन्य कंपनी के डायरेक्टर, मैनेजर व अन्य द्वारा आम जनता को धोखा देने के इरादे से फर्जी कंपनी बनाकर राशि जमा कराने का कार्य कराया गया। इसलिए वित्तीय स्थापना के निवेशको के हितों का संरक्षण करने की दृष्टि से छत्तीसगढ़ निवेशकों के हितो के संरक्षण के लिए बनाये गये अधिनियम 2005 की धारा 7 उपधारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आरोपी के नाम से ग्राम मसगा तहसील प्रतापपुर स्थित भूमि जिसका खसरा क्रमांक 311/1 व 315/13 कुल रकबा क्रमशः 0.38 व 0.45 हे. को कुर्क करने का अंतःकालीन आदेश कलेक्टर द्वारा पारित किया गया और आवश्यक कार्यवाही के लिए तहसीलदार प्रतापपुर को निर्देशित किया गया है।

## 3 किलो गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

3 किलो गांजे के साथ कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शहर के खैरबार स्थित पुलिया के पास खड़ा होकर गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस 11 जुलाई को पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान टीम को मुखबिर से जानकारी मिली की खैरबार रोड स्थित नहर पुलिया के पास एक व्यक्ति झोला में गांजा रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके पास रखे झोले की तलाशी ली तो झोले में तीन किलो गांजा पाया गया। जिसकी कीमत 60 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी विक्रम गढ़वाल उर्फ़ चमरू पिता रुपसाय गढ़वाल उम्र 40 वर्ष निवासी खैरबार पुराना पंचायत भवन के पास को गिरफ्तार कर थाने ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, सहायक उप निरीक्षक मनोज उपाध्याय, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक इदरीश खान, रुपेश महंत, अमित राजवाड़े, कुंदन सिंह, सैनिक राकेश कुशवाहा शामिल रहे।

## शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण के दो अलग-अलग मामले में थाना प्रभारी सहित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**-संवाददाता-**
**लखनपुर,12 जुलाई 2023(घटती-घटना)।**

विकासखंड के ग्राम सिंगीटाना गौठान मद व ग्राम गुमगराखुर्द खेल मैदान में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। गौठान मद व खेल मैदान के भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर 12 जुलाई दिन बुधवार को ग्राम सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों के द्वारा लखनपुर थाना सहित केवरा तहसील कार्यालय पहुंच एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुमगरा खुर्द आमा टिकरा स्कूल मैदान खसरा क्रमांक 67/1 रकबा 17.9990 में विगत वर्ष पूर्व ग्राम वासियों के द्वारा पौधा लगाया गया था। कमला बाई पति प्रेम सागर निवासी अंबिकापुर, रिंकू गोस्वामी पिता स्वर्गीय रुशन गोस्वामी गुमगराकला निवासी के द्वारा स्कूल मैदान में लगे पौधों को उखाड़ कर फेंक दिया गया तथा अवैध रूप से स्कूल खेल मैदान की भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर बुधवार को ग्राम सरपंच विजय कुमार उर्रे उपसरपंच राजेन्द्र कुमार दास के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण केवरा तहसील कार्यालय पहुंच एसडीएम बी आर खांडे को ज्ञापन सौंप अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की गई है जिस पर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन ग्रामिणों को दिया गया है। वहीं दूसरे अतिक्रमण मामले में ग्राम सिंगीटाना के गौठान मद के शासकीय भूमि जबरन गांव के ही धनीलाल कुजुर के द्वारा अवैध कब्जा कर हल चलाया जा रहा था। ग्राम सरपंच सहित ग्रामीणों ने शासकीय भूमि पर जोताई करने से मना किया गया। अतिक्रमण कारी के द्वारा गाली-गलौज कर धमकी दी जाती है। तथा ट्रैक्टर वाहन के माध्यम से शासकीय भूमि पर जोताई का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को ग्राम सरपंच विफन राम के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण लखनपुर थाना पहुंच थाना प्रभारी को आवेदन देकर शासकीय भूमि पर जोताई पर रोक लगाए जाने की मांग की है। सरपंच पति विफल राम लकड़ा, धनेश्वर मनराज विनोद कमल मिंज विजय प्रमिला इतवारी श्याम भाई, गुमगराखुर्द सरपंच विजय कुमार उर्रे, राजेंद्र कुमार दास पंच दूजो भाई मुंडेश्वरी नंदलाल बाबूलाल विमला फेकू दास, निर्मला सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

## अमेरिकी जासूसी विमान के बदले उत्तरी कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल । उत्तर कोरिया ने अमेरिकी जासूसी विमान के बदले में अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर बुधवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। यह जानकारी दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने दी। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने अपने क्षेत्र के पास अमेरिका की कथित खुफिया गतिविधियों के विरोध में दो दिन पहले ही चौंकाने वाले परिणाम भुगतने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह प्रक्षेपण किया गया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि प्रक्षेपण बुधवार सुबह किया गया। उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि मिसाइल ने कितनी दूरी तक उड़ान भरी। इस संबन्ध में जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया द्वारा संभावित बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब उत्तर कोरिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में कई बयान जारी कर अमेरिका पर उसके देश की जासूसी करने के लिए उत्तर कोरिया के करीब एक सैन्य विमान उड़ाने का आरोप लगाया गया था। वहीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने उत्तर के आरोपों को खारिज किया और उसे शत्रुता बढ़ाने वाले किसी भी कृत्य या बयानबाजी से दूर रहने को कहा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो जोंग ने सोमवार रात एक बयान में दावा किया कि अमेरिकी जासूसी विमान ने दिन में आठ बार उत्तर कोरिया के पूर्वी विशेष आर्थिक क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने अमेरिकी विमान को खदेड़ने के लिए युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। किम यो जोंग ने कहा कि आने वाले समय में 20-40 किलोमीटर के उस हिस्से में एक चौंकाने वाली घटना घटेगी जिसमें अमेरिकी जासूसी विमान लगातार उत्तर कोरिया के आर्थिक जल क्षेत्र के ऊपर आकाश में घुसपैठ करते हैं।

## नेपाल में मारे गए मैक्सिकन नागरिकों ने किया था ताज का दीदार

काठमांडू। नेपाल में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में इसमें सवार सभी छह यात्रियों की मौत हो गई। इन यात्रियों में पांच लोग मैक्सिको के रहने वाले थे, जो एक ही परिवार के लोग थे। हादसे में मारे गए पांचों मैक्सिकन नागरिक नेपाल जाने से पहले भारत आए थे। जानकारी के अनुसार, मैक्सिकन परिवार ने नेपाल से पहले भारत यात्रा की थी। एब्रिल सिफुएंटेस गोंजालेज ने पांच जुलाई को ताज महल के सामने क्लिक की गई अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। भारत में मैक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास ने कहा कि पीड़ित मूल रूप से नुएवो लियोन के परिवार के सदस्य थे। इस बीच, नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने कहा कि शवों को हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया है और पोस्टमार्टम के लिए त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में रखा गया है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री सूडान किराती ने घोषणा की कि सरकार इस घटना की जांच कराएगी मनांग एयर की निदेशक मुक्ति पांडे ने कहा कि सभी मृतक यात्री एक ही मैक्सिकन परिवार से थे और कल उड़ान के साथ-साथ शेरपा संस्कृति का निरीक्षण करने के लिए खुम्बू क्षेत्र के लिए उड़ान भरी थी। जिस दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए।

## अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने पर भड़का क्यूबा

हवाना । ग्वांतानामो बे में स्थित अमेरिकी नौसेना बेस पर परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने से क्यूबा और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ सकता है। क्यूबा सरकार ने कहा है कि इस हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही क्यूबा सरकार ने चेतावनी दी है कि इससे टकराव बढ़ सकता है। विदेश विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में यह पनडुब्बी पहुंची थी और शनिवार तक वहीं पर रही। यह जानकारी उस समय में आई है, जब क्यूबा और चीनी सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को लेकर काफी खबरें पिछले दिनों आई थी। अमेरिकी मीडिया ने कहा, चीन, अमेरिका की जासूसी के लिए यहां पर एक अड्डा बनाना चाहता है। विदेश विभाग के मुताबिक पनडुब्बी की मौजूदगी से यह जानना जरूरी हो जाता है कि दुनिया के इस शांतिपूर्ण क्षेत्र में इस कार्रवाई के पीछे सैन्य कारण क्या हैं? इसका टारगेट क्या था और इसका रणनीतिक मकसद क्या है? मंत्रालय ने कैरेबियाई क्षेत्र में परमाणु पनडुब्बियों की मौजूदगी से पैदा हुए खतरे को लेकर चेतावनी दी है। मंत्रालय का कहना है कि क्षेत्र में अमेरिकी मिलिट्री की मौजूदगी, लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई लोगों की संप्रभुता और हितों के लिए खतरा है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है, हम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी सैन्य संपत्तियों और गतिविधियों पर चर्चा नहीं करते हैं। क्यूबा की ओर से अमेरिकी आलोचना उस समय में की गई है जब यह देश फिर महाशक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में है। पिछले दिनों एक रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूबा ज्वॉइन्ट मिलिट्री ट्रेनिंग को लेकर चीन के साथ बातचीत कर रहा है। अखबार की तरफ से यह बात एक चीनी जासूसी अभियान पर आई रिपोर्ट के बाद कही गई थी। शुरुआत में अस्पष्ट प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि चीन ने क्यूबा में वर्षों से खुफिया जानकारी जुटाने की सुविधाएं बनाए रखी थीं। साल 2019 में उसने इन सुविधाओं को अपग्रेड किया था। हालांकि चीन और क्यूबा दोनों ने ही इस रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया था।

## रूसी नौसेना के पूर्व कमांडर की हत्या, जॉगिंग के समय मारी गोली

मॉस्को । रूसी नौसेना के एक पूर्व कमांडर की दक्षिणी शहर क्रास्नोडार में जॉगिंग के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 42 वर्षीय स्टैनिस्लाव रज़त्स्की, जिन्होंने कथित तौर पर क्रास्नोडार पनडुब्बी की कमान संभाली थी, को ओलिंप स्पोर्ट्स सेंटर के पास एक पार्क में पीठ और सीने में गोली मार दी गई थी। रूसी जांचकर्ताओं ने कहा कि एक संदिग्ध की पहचान सेरही डेनिसेंको के रूप में हुई है, जो 1959 में यूक्रेनी शहर सुमी में पैदा हुआ था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। कई रूसी टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया है कि डेनिसेंको यूक्रेनी कराटे फेडरेशन का पूर्व प्रमुख था। रूस की जांच समिति ने कथित गिरफ्तारी का एक वीडियो भी जारी किया है, लेकिन इसमें शख्स का चेहरा धुंधला है। बाद में इसने कथित तौर पर रज़त्स्की के सुबह की दौड़ के सीसीटीवी फुटेज प्रकाशित किए, जिसके पीछे एक बाइक पर सवार व्यक्ति भी था। कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्यारे ने फिटनेस ऐप पर रज़त्स्की की दौड़ को ट्रैक किया होगा क्योंकि वह दौड़ते समय नियमित रूप से उसी रास्ते पर जाते थे। रज़त्स्की की प्रोफाइल के बीबीसी विश्लेषण से पता चला है कि वह अक्सर उस क्षेत्र में दौड़ा करते थे जहां उनके मारे जाने की सूचना है। दउनका पता और व्यक्तिगत विवरण यूक्रेनी वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया था, जो यूक्रेन के दुश्मन माने जाने वाले लोगों का एक विशाल अनौपचारिक डेटाबेस है। हालांकि अब साइट पर उनकी तस्वीर पर लाल अक्षरों में लिक्विडेटेड शब्द अंकित कर दिया गया है। एक बयान में, यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने कहा कि भारी बारिश के कारण पार्क सुनसान था इसलिए कोई गवाह नहीं है जो विवरण दे सके या हमलावर की पहचान कर सके। यूक्रेनी आंतरिक मंत्रालय के सलाहकार एंटोन गेराशचेंको ने ट्वीट किया कि रूसी मीडिया यूक्रेन पर संलिप्तता का आरोप लगा रहा है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या यह संदेह उचित था।

## मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर और दूसरा दौर हुआ तो 20 दिसंबर को होगा

एंटानानारिवो । मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर को होगा। मेडागास्कर के प्रधानमंत्री क्रिश्चियन एनत्से ने राजधानी एंटानानारिवो में एक कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यदि दूसरा दौर होता है तो यह 20 दिसंबर को होगा। शांति और एकजुटता बनाए रखने के लिए मालागासी आबादी को धन्यवाद देते हुए एनत्से ने मतदाताओं से कैलेंडर द्वारा निर्धारित तारीखों पर मतदान करने का आह्वान किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने सभी राजनेताओं से यह तय करने के लिए राष्ट्रीय एकजुटता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों। उन?होंने कहा कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति होना चाहिए जो अगले जनवरी में अपना कार्यकाल शुरू करेगा। राष्ट्रपति चुनाव की तारीखें स्वतंत्र राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा सरकार और उच्च संवैधानिक न्यायालय को 10 फरवरी को प्रस्तावित की गईं थीं। निवर्तमान राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना का कार्यकाल 19 जनवरी 2024 को समाप्त होने वाला है।

चीन ने जियोकान प्रांत से झयूक्यू 2 करियर रॉकेट छोड़ा। इस मीथेन लिक्विड ऑक्सीजन रॉकेट को चीनी कंपनी लैंडस्पेस ने बनाया था।

## नाटो की आलोचना पर चीन के बिगड़े बोल, जानबूझकर किया बदनाम

बीजिंग । बीजिंग में नाटो ने जहां चीन को गुट के हितों को लेकर दी गई प्रतिक्रिया पर निशाना बनाया है वहीं चीन ने भी गुट के हितों व सुरक्षा को लेकर चुनौती दी है। नाटो ने इस आरोप पर पलटवार किया कि चीन गुट के हितों और सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है और उसने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए सैन्य गठबंधन के किसी भी प्रयास का विरोध किया। लिथुआनिया की राजधानी विनियस में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के बीच में कड़े शब्दों में जारी एक विज्ञप्ति में नाटो ने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने अपनी महत्वाकांक्षाओं और जबरदस्ती नीतियों से उसके हितों, सुरक्षा और मूल्यों को चुनौती दी है। नाटो राष्ट्राध्यक्षों ने कहा कि पीआरसी अपने वैश्विक पदचिह्न और परियोजना शक्ति को बढ़ाने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करती है, जबकि अपनी रणनीति, इरादों और सैन्य निर्माण के बारे में अपारदर्शी रहती है। नाटो के अनुसार पीआरसी के दुर्भावनापूर्ण हाइब्रिड और साइबर ऑपरेशन और इसकी टकरावपूर्ण बयानबाजी और दुष्प्रचार मित्र राष्ट्रों को निशाना बनाते हैं और गठबंधन की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाते हैं। यूरोप में चीनी मिशन ने एक बयान में कहा कि चीन-संबंधी सामग्री में बुनियादी तथ्यों की अनदेखी की गई है, चीन की स्थिति और नीतियों को विकृत किया गया है और जानबूझकर चीन को बदनाम किया गया है। चीन ने कहा कि हम इसका दृढ़ता से विरोध करते हैं और इसे अस्वीकार करते हैं। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि हालांकि चीन नाटो का प्रतिद्वंद्वी नहीं है, लेकिन वह अपने जबरदस्ती वाले व्यवहार से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा कि चीन तेजी से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है।

# जानलेवा बीमारी से पूरा देश परेशान, लकवा का रूप ले रही पैरों की झुनझुनी

### -दक्षिणी अमेरिका के पेरू में लगानी पड़ी हेल्थ इमरजेंसी, 90 दिनों के लिए अलर्ट जारी

**लीमा (एजेंसी)।** दक्षिणी अमेरिकी इस समय एक खतरनाक बीमारी से परेशान है। इसके चलते यहां पर 90 दिनों की स्वाथ्य इमरजेंसी लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार दक्षिणी अमेरिका के देश पेरू में एक खतरनाक बीमारी गुइलेन-बैरी सिंड्रोम ने दस्तक दी है। इस बीमारी से देशभर में इसके मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। जिसके बाद सोमवार को 90 दिनों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में 165 मामलों की असामान्य वृद्धि देखी गई है, वहीं चार लोगों की इससे मौत हो गई है। बता दें कि पेरू ने इन बढ़ते मामलों को लेकर 27 जून को ही अलर्ट जारी किया था। गुइलेन-बैरी सिंड्रोम एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम हमारी तंत्रिकाओं पर हमला करता है। यह हाथों और पैरों में झुनझुनी और कमजोरी के साथ शुरू होता है, और तेजी से फैल सकता है। यहां तक कि शरीर को लकवा मार सकता है। इस स्थिति वाले अधिकांश लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है। फिलहाल इस डिसऑर्डर का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्टों से पता चला है कि दो-तिहाई रोगियों में पिछले छह सप्ताह में कोविड-19 या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण या जीका वायरस के लक्षण देखे गए थे।

गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के लक्षण की बात करें तो उंगलियों, पैर की उंगलियों, कलाइयों, या कभी-कभी बांहों और चेहरे में भी झुनझुनी महसूस होती है। पैरों में कमजोरी, चलने या सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। चेहरे को हिलाने में कठिनाई होती है। रोगी को बोलने, चबाने या निगलने में काफी दिक्कतें होती हैं। इसमें पीड़ित को डबल दिखाई देता है। आंखों की पुतलियों को हिलाने में भी समस्याएं होती हैं। शरीर में ऐंठन जैसा महसूस हो सकता है। सांस लेने में कठिनाई और हार्ट बीट तेज होना। ये प्रमुख लक्षण बताए गए हैं। हालांकि गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के तीन रूप हैं, एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी), मिलर फिशर सिंड्रोम और एक्यूट मोटर एक्सोनल न्यूरोपैथी। एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी) उत्तरी अमेरिका और यूरोप में पाया जाने वाला सबसे आम रूप है।

## उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल दागी, उपजा तनाव

**सोल (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की एक बैलेस्टिक मिसाइल दागी है, जिसके कारण तनाव की स्थिति बन गई है। इसे लेकर दक्षिण कोरियाई सेना ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की ओर एक संदिग्ध लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी जासूसी विमान संचालन के खिलाफ प्योंगयांग के आरोपों के बाद उत्पन्न तनाव के बीच यह दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे प्योंगयांग या उसके आसपास के क्षेत्र से प्रक्षेपण का पता लगाया है। जेसीएस ने कहा कि अपनी निगरानी और सतर्कता को मजबूत करते हुए, हमारी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग में पूर्ण तत्परता बरत रही है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने इससे पहले लंबी दूरी की मिसाइल का अंतिम प्रक्षेपण 13 अप्रैल को किया था, जब उसने ह्वासोंग-18 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी जिसमें ठोस-ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। सोमवार और मंगलवार को, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की शक्तिशाली बहन किम यो-जोंग ने तीखे बयान जारी कर दावा किया कि अमेरिकी सैन्य जासूसी विमान ने उत्तर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में घुसपैठ की। मामले को भांपते हुए किम यो-जोंग ने चेतावनी दी कि उत्तर अपने आर्थिक जल क्षेत्र के भीतर अमेरिकी निगरानी उड़ानों के खिलाफ स्पष्ट और दृढ़ कार्रवाई करेगा जो एक चौंकाने वाली घटना हो सकती है। इधर दक्षिण कोरियाई सेना ने उनकी टिप्पणियों को खारिज कर दिया है और कहा है कि ईईजेड में नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता सुनिश्चित की गई है। उत्तर कोरिया की ओर से कथित मिसाइल लॉन्चिंग ऐसे समय में हुई है जब इस सप्ताह कई उच्च स्तरीय वैश्विक राजनयिक और सुरक्षा बैठकें हो रही हैं। इसमें लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन और इंडोनेशिया में आसियान क्षेत्रीय मंच की बैठक शामिल हैं।

## अमेरिका का दावा, भारत ही रुकवा सकता है यूक्रेन-रूस की लड़ाई

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** वाशिंगटन (ईएमएस)। अमे?रिका ने दावा ?किया है ?कि भारत मध्यस्थता करके यूक्रेन व रूस की लड़ाई को रुकवा सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन के बीच पिछले एक साल से जारी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके लिए भारत से मध्यस्थता को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत सहित कोई भी देश अगर यूक्रेन में शांति बहाल करने में भूमिका निभा सकता है तो उसका अमेरिका स्वागत करता है। दरअसल, जब मिलर से सवाल किया गया कि क्या भारत या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच लंबे संघर्ष को समाप्त करने में भूमिका निभा सकते हैं तो मिलर ने कहा, 'भारत या कोई अन्य देश, जो भी यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करा सकता है तो उसका हम स्वागत करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने दावा किया कि यूक्रेन के साथ युद्ध करना रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रहा है। मिलर ने कहा कि युद्ध के चलते रूस को सैन्य कर्मियों और उपकरणों का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का स्वागत करता है। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर मिलर ने कहा कि यह युद्ध रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रही है, जिसमें सैन्य कर्मियों और सैन्य उपकरणों दोनों का भारी नुकसान हुआ है। मिलर ने दावा किया कि रूस ने दुनिया में अपनी स्थिति को प्रभावित होते देखा है। अमेरिका द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और निर्यात नियंत्रणों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का हम स्वागत करते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले, जून में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन में संघर्ष पर चिंता व्यक्त की थी और इसके भयानक और दुखद मानवीय परिणामों पर शोक व्यक्त किया था।

# भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों से चीन हुआ परेशान

### -सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी होने से चिप कंपनी फॉक्सकॉन पर उठाए सवाल

**बीजिंग (एजेंसी)।** भारत के साथ अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों के कारण चीन परेशान हो रहा है। यही वजह है कि ताइवान की चिप कंपनी को भारत सरकार द्वारा मंजूरी में देरी होने पर चीनी मीडिया ने भारत को नसीहत देनी शुरु कर दी है। बता दें कि ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग से हाथ खींचने का ऐलान क्या किया, चीन को तंज कसने का एक और बहाना मिल गया। इस बात से बेफिक्र कि कंपनी एक नई तरह से भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग की योजना बना रही है, इस पर चीन के मीडिया ने अपनी राय दे डाली है। मीडिया में आई खबर के अनुसार हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत को एक बड़ा झटका लगा है। भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए न केवल सरकार की महत्वाकांक्षा की जरूरत है, बल्कि औद्योगिक योजना की भी जरूरत है जो उसकी अपनी परिस्थितियों के अनुकूल हो। अगर उसके आर्टिकल में वह वजह भी सामने आ गई है जो भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों की वजह से परेशानी से जुड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी की वजह से फॉक्सकॉन की चिंताएं बढ़ रही थीं। लेकिन इसने प्लांट से हाथ क्यों पीछे खींचे, ये वजहें स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन फिर भी यह नया घटनाक्रम घरेलू चिप निर्माण योजनाओं को आगे बढ़ाने में भारत के सामने मौजूद कठिनाइयों को सामने लाता है। मीडिया की खबर के अनुसार कई सालों की कोशिशों के बाद भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की प्लानिंग अभी भी सिर्फ कागज पर ही हैं। जबकि अमेरिका स्थित माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने अभी घोषणा की है कि वह भारत में एक चिप पैकेजिंग प्लांट बनाएगी। इसके लिए 2.75 अरब डॉलर की लागत में 70 फीसदी सब्सिडी भी दी जाएगी। रिपोर्ट की मानें तो पिछली योजनाओं में लगातार असफलताओं ने देश की उच्च-स्तरीय विकास करने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भले ही भारत सरकार ने कहा हो कि साल 2020 में 15 अरब डॉलर वाला भारत का सेमीकंडक्टर बाजार साल 2026 तक 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा लेकिन उसकी यह महत्वाकांक्षा वास्तविकता से परे लगती है। रिपोर्ट ने इसके पीछे विदेशी निवेश पर निर्भरता को बड़ी वजह बताया है। क्योंकि टेक्नोलॉजी से लेकर प्रतिभा और अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्रीयल सीरीज के मामले में भारत के पास चिप निर्माण में कोई आधार नहीं है। शायद भारत सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश अपने आप चिप मैन्युफैक्चरिंग में मदद कर सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं चीन ने अपारदर्शी कारोबारी माहौल और व्यापक औद्योगिक विकास योजना की कमी तक को भारत के सपने टूटने की वजह बता डाला।

# सोलोमन द्वीप ने किया चीन से समझौता तो, ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी चिंताएं

### -ताइवान को दगा देने के बाद चीन से पुलिस समझौते पर किए हस्ताक्षर

**बीजिंग (एजेंसी)।** प्रशांत महासागर के एक छोटे से देश सोलोमन द्वीप ने चीन से पुलिस समझौते पर करार किया है। हालांकि इसके पहले उसने सुरक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे। इससे आस्ट्रेलिया समेत प्रशांत महासागर के अनेक देशों की चिंताएं गढ़ गई हैं। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि सोलोमन द्वीप समूह के चार साल पहले तक चीन नहीं बल्कि उसके सबसे बड़े दुश्मन ताइवान के साथ राजनयिक संबंध थे। तब सोलोमन द्वीप समूह ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देता था। लेकिन, पिछले चार साल में चीन और सोलोमन द्वीप समूह के संबंधों ने एक नया इतिहास लिखा है। चीन और सोलोमन द्वीप समूह ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर विकसित करने के लिए पुलिस सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उन नौ समझौतों में से एक था, जिस पर सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावरे ने बीजिंग में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात के दौरान साइन किया। इन समझौतों को सोलोमन की स्वतंत्र विदेश नीति के अंतिम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि रविवार को ही सोगावारे ने चीन और सोलोमन द्वीप समूह के बीच 2022 में सुरक्षा समझौता किया था। इस समझौते ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत प्रशांत महासागर के कई देशों की चिंताओं को बढ़ा दिया था। इस संबन्ध में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने बताया कि केवल चार वर्षों में चीन और सोलोमन द्वीप के बीच संबंध तेजी से विकसित हुए हैं, और अब हम कह सकते हैं कि यह बहुत उपयोगी है। बदले में, सोगावारे ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में चीन की भूमिका के लिए उसे धन्यवाद दिया और कहा कि उनके देश को चीन के अनुभव से बहुत कुछ सीखना है। गौरतलब है कि सोगावारे 2019 में सोलोमन द्वीप समूह में सत्ता में आए थे। इसके बाद से ही उन्होंने राजनयिक संबंधों को ताइवान के बदले चीन से बदल दिया था। ऐसा दावा किया जाता है कि सोगावारे की जीत में चीन का हाथ था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन अपने लोगों के सर्वोत्तम हित में संप्रभु निर्णय लेने के लिए राष्ट्रों की क्षमता का सम्मान करता है। जानकारी के अनुसार पिछले महीने सोगावारे ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 2017 की सुरक्षा संधि की समीक्षा का आह्वान किया था, जिसने ऐतिहासिक रूप से सोलोमन द्वीप को पुलिस सहायता प्रदान की है। 2021 में जब सोलोमन द्वीप समूह में भीषण दंगे हुए थे, तब ऑस्ट्रेलिया ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता के लिए अपने देश की पुलिस को तैनात किया था। हालांकि, अब सोलोमन द्वीप की पुलिस चीन से ज्यादा ट्रेनिंग ले रही है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार चीन अपनी कानून प्रवर्तन क्षमता बढ़ाने के लिए सोलोमन द्वीप को सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। इस संबन्ध में सोगावारे ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की और दोनों एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने पर सहमत हुए। शी ने सोगावारे को बताया कि चीन सोलोमन द्वीप में निवेश करने वाली अपनी अधिक कंपनियों का समर्थन करता है और बिना किसी राजनीतिक बंधन के आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखेगा।

# आज भाजपाई फर्जीवाला संग भ्रष्टाचरन लुटेरी चाभी के बारात में होंगे शामिल

## मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भाजपा निकालने वाली है विधायक महापौर के भ्रष्टाचार की बरात,आज निकाली जाएगी बारात

- दर्जन भर भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा आज निकाल रही है विरोध सरूप भ्रष्टाचार की बारात
- भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सोशल मीडिया में भ्रष्टाचार की बारात का आमंत्रण कार्ड वायरल किया हुआ है
- क्या जनता को सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है?
- मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भाजपा निभा रही है विपक्ष की भूमिका

भाजपा द्वारा इसका प्रचार भी किया जा रहा है की चिरमिरी की जनता साथ ही मनेंद्रगढ़ की जनता को जो कुछ कहकर जो वादे करके विधायक ने विश्वास जताया था और अपने पक्ष में मतदान करने मतदाताओं को आकर्षित किया था वह सब गलत साबित हुआ है और विधायक और महापौर के पूरे कार्यकाल में जनता को केवल ठगा गया है और जनता को सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है। विधायक और महापौर के कार्यकाल में चिरमिरी में किस तरह कबाड़ का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है किस तरह कोयले का अवैध उत्खनन जेसीबी से हो रहा है किस तरह कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान लोगों को फर्जी कंपनी का नकली सेनिटाइजर बांटा गया जो नकली था और लोगों के स्वास्थ्य से आपदा के दौरान खिलवाड़ किया गया यह भ्रष्टाचार की बारात का मुख्य मुद्दा है। विधायक के जन्मदिन पर किस तरह बकरा पार्टी विधायक स्वेक्षानुदान की राशि से आयोजित हुआ,कैसे चिरमिरी के लोग गंदा पानी पीने मजबूर हैं, कैसे एडवेंचर पार्क आजतक केवल बोर्ड में सीमित है, कैसे बिना सड़क निर्माण राशि आहरित हो जा रही है यह भी इस भ्रष्टाचार की बारात का मुद्दा है। कुल मिलाकर चुनाव नजदीक आते ही भाजपा हमलावर होने जा रही है और विधायक महापौर की मुसीबत बढ़ाने जा रही है। भाजपा मनेंद्रगढ़ विधायक साथ ही चिरमिरी महापौर को घेरने की पूरी तैयारी कर चुकी है और जो भ्रष्टाचार के आरोप भाजपा ने मुद्दों में शामिल किया है उनमें से अधिकांश ऐसे मुद्दे हैं जो जनता से सीधे जुड़े मुद्दे हैं और जनता भी इन मुद्दों से प्रभावित है और उसको भी लगता है की गलत तो हुआ है।

### भाजपा द्वारा भ्रष्टाचार की बारात में शामिल किए गए मुख्य मुद्दे

सेनिटाइजर घोटाला- भाजपा ने भ्रष्टाचार की बारात में कोरोना वैश्विक आपदा के दौरान चिरमिरी नगर निगम में हुए सेनिटाइजर घोटाले को मुख्य मुद्दों में शामिल किया है,बता दें की कोरोना वैश्विक आपदा के दौरान जब लगातार लोगों की जान जा रही थी और लोग सुरक्षा उपायों के साथ जीवन यापन कर रहे थे तब चिरमिरी नगर निगम के द्वारा लोगों की सुरक्षा के नाम पर शहर भर में सेनिटाइजर खरीदी कर बंटवाया गया था,इस सेनिटाइजर पर जिस कंपनी का नाम था वह कंपनी अस्तित्व में ही नहीं थी या वह सेनिटाइजर का निर्माण ही नही करती थी यह बात प्रारंभिक तौर पर उस समय समाने आई थी और तब इसकी जांच की भी मांग हुई थी जिसका भी परिणाम भ्रष्टाचार की पुष्टि करने वाला आया था ऐसा बताया जाता है और तब मामले को दबाया गया था। सेनिटाइजर घोटाले में भाजपा का आरोप है की विधायक महापौर ने लोगों को सुरक्षा सुविधा मुहैया कराने के नाम पर यह भ्रष्टाचार किया और वह भी तब जब लोग काल कलवित हो रहे थे।

### कबाड़ का अवैध कारोबार

चिरमिरी में कबाड़ का अवैध कारोबार लगातार फल फूल रहा है और कार्यवाही के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है वहीं कबाड़ियों को चिरमिरी को लूटने की पूरी छूट विगत वर्षों में प्रदान की गई है यह भी भ्रष्टाचार की बारात का मुद्दा है। कबाड़ियों को भी संरक्षण मिला हुआ है यह भाजपा का विधायक पर आरोप है।चिरमिरी में कबाडियो का ही बोलबाला है यह भाजपा का आरोप है और भाजपा ने यह भी कहा है की कबाड़ी मालामाल हो चुके हैं।

### जेसीबी से दिन दहाड़े अवैध रूप से कोयला उत्खनन जारी है, जिसे अन्य राज्यों में बेचा जा रहा है

भाजपा ने भ्रष्टाचार की बारात में जेसीबी से अवैध रूप से क्षेत्र से कोयला उत्खनन कर अन्य राज्यों में बेचने का भी मुद्दा शामिल किया है,बता दें की चिरमिरी में अवैध रूप से कोयला उत्खनन बड़े पैमाने पर होता है और जिसको सत्ता का संरक्षण प्राप्त है इस बात की पुष्टि भी तब हो चुकी है जब नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा ने स्वयं जाकर अवैध रूप से कोयला उत्खनन करते हुए जेसीबी को पकड़ा था और जिसका वीडियो भी साझा किया था,वहीं उसके बाद भी कार्यवाही नहीं हुई थी और अवैध उत्खनन बदस्तूर आज भी जारी है,नेता प्रतिपक्ष के दौरे के दौरान इस मामले में सरकार भी सकते में आई थी।

### गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण

भाजपा ने गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण का भी मुद्दा बारात के मुद्दे में शामिल किया है।क्षेत्र में जितने भी सड़क बनाई गई है सभी की गुणवत्ता खराब है यह मुद्दों में प्रमुख मुद्दा है,अपनी जेब भरने के लिए सड़कों का हाल बुरा किया गया है यह भाजपा का आरोप है। वैसे एक सड़क का निर्माण किए बिना ही उसके निर्माण की पूरी राशि निकाल ली गई थी वह भी भाजपा का मुद्दा है।

### नल जल योजना चिरमिरी में असफल योजना हो चुकी है साबित, लोग पी रहे गंदा पीला पानी

भाजपा ने चिरमिरी में नल जल योजना में भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है,भाजपा का आरोप है कि चिरमिरी में नल जल योजना पूरी तरह फेल हो चुकी है और लोग गंदा और पीला पानी पीने मजबूर हैं यह भाजपा का आरोप है।चिरमिरी में नल जल योजना की कहानी खत्म हो चुकी है यह भाजपा का आरोप है। वहीं विधायक का दावा है की चिरमिरी में नल जल योजना से पूरे शहर में पानी सप्लाई का काम जारी है और यह शहर में सफल योजना है।

### विधायक के जन्मदिन पर बकरा भात कार्यक्रम भी है भाजपा का मुद्दा,विधायक स्वेक्षानुदान राशि से हुआ आयोजन भाजपा का मुद्दा

भाजपा ने भ्रष्टाचार की बारात में विधायक के द्वारा आयोजित बकरा भात कार्यक्रम को भी मुद्दा बनाया है, भाजपा का आरोप है की विधायक का जन्मदिन विधायक स्वेक्षानुदान राशि से बकरा भात कार्यक्रम का आयोजन कर मनाया गया,विधायक के जन्मदिन के लिए बकरा भात की व्यवस्था के लिए कांग्रेस के ही कार्यकर्ताओं को स्वेक्षानुदान राशि दी गई और उनसे इस आयोजन का खर्च स्वेक्षानुदान राशि जो उन्हे मिली थी उससे भुगतान करने के लिए कहा गया और इस तरह विधायक का चेहरा चमकाने का प्रयास किया गया।इस तरह कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को ही बलि का बकरा बनाया गया यह भाजपा का आरोप है और उनका नाम भी स्वेक्षानुदान लेने के मामले में बदनाम हुआ और उन्हें कुछ मिला भी नहीं और विधायक का जन्मदिन विधायक स्वेक्षानुदान से मनाया गया जो की गरीब और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली शासन की सुविधा थी जिसे विधायक ने अपना चेहरा चमकाने में उपयोग किया।

### शराब के पैसे से विधायक महापौर कप प्रतियोगिता आयोजन कराने का आरोप

भाजपा का यह भी आरोप है की विधायक और महापौर ने विधायक महापौर कप प्रतियोगिता का आयोजन कराया और यह प्रतियोगिता शराब के पैसे से आयोजित किया गया जो अवैध शराब का पैसा था। विधायक और महापौर पर भाजपा हमलवार है और अब विधायक महापौर मामले में बैकफुट पर नजर आ रहे हैं।

### चिरमिरी नगर निगम हुआ कंगाल,भाजपा का आरोप

भाजपा का यह भी आरोप है की विधायक महापौर ने मिलकर चिरमिरी निगम को कंगाल कर दिया है। निगम में कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है और वह किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहें हैं और विधायक महापौर मालामाल हो रहें हैं। निगम के कर्मचारियों को नियमित वेतन मिलना तो दूर उनकी समस्याओं को सुनने वाला भी कोई नहीं है विधायक महापौर अपने में मस्त हैं यह भाजपा का आरोप है।

### एडवेंचर पार्क भी है भाजपा का मुद्दा

चिरमिरी में एडवेंचर पार्क बनेगा और वह शहर को नई पहचान देगा यह विधायक का सबसे बड़ा वादा था जो उनके कार्यकाल के अंतिम समय तक केवल एक बोर्ड तक सीमित है जो एक जगह लगा हुआ है यह भाजपा का आरोप है। भाजपा ने यह भी कहा की एडवेंचर पार्क केवल बोर्ड लगाने तक की घोषणा थी और जो बोर्ड देखकर लगता है की बोर्ड तक ही सीमित है।

# साप्ताहिक समय सीमा की बैठक संपन्न,सभी शासकीय परिसर में फलदार व छायादार पौधा लगाने कलेक्टर ने दिया निर्देश

-संवाददाता-

**मनेंद्रगढ़,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने शासन की महत्वकांक्षी गोधन न्याय योजना और रीपा की गहन समीक्षा की। उन्होंने जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए समय सीमा में निराकरण करने तथा उच्च न्यायालय के प्रकरणों में समय पर जवाब दावा प्रस्तुत करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने गौठान में गोबर खरीदी की समीक्षा करते हुए सभी गौठानों में गोबर खरीदी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने वन, कृषि, उद्यानिकी और रेशम विभाग के अधिकारियों से वर्मी कम्पोस्ट खाद हेतु मांग पत्र शीघ्र भेजने तथा मांग के अनुरूप उठाव करना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सहायक पंजीयक सहकारिता से जिले में रासायनिक खाद की उपलब्धता के सम्बंध में जानकारी ली तथा समय पर कृषकों

को खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुग्गा ने डीएफओ से वृक्षारोपण की तैयारी तथा पौधे की उपलब्धता के संबंध में की जानकारी ली। उन्होंने सभी शासकीय भवनों, गोठानों, स्कूलों, छात्रावास, आंगनबाड़ी केन्द्र तथा रीपा में फलदार व छायादार पेड़ लगाने संबंधित निर्देश अधिकारियों को दिए। सभी शासकीय भवन परिसर में 17 जुलाई को हरेली तिहार के दिन अभियान चलाकर 5-5 पौधे लगाने के निर्देश दिये गए। रोपित पौधे को बचाने की ज़िम्मेदारी भी संबंधित संस्था की होगी। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों के जीर्णोद्धार कार्यों के प्रगति की जानकारी ली और जितने भी कार्य पूर्ण हो गए है, उन्हे पोर्टल में अपडेट करने को कहा। अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने और प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने की बात की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राज्य में खरीफ फसल बुआई कार्य के पूर्व खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण के लिए 'रोका छेका' प्रथा प्रचलित है, उन्होंने स्थानीय परिस्थिति के अनुरूप रोका-छेका अभियान चलाकर ग्रामीण जनों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। बैठक में वनमंडलाधिकारी मनेंद्रगढ़ श्री एलएन पटेल, प्रभारी अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, प्रभारी सहायक आयुक्त और संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंकिता सोम, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अभिलाषा पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्री सीएस पैकरा, श्री प्रवीण भगत, अनुविभागीय अधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

### कलेक्टर जनदर्शन में मिले 48 आवेदन

समय सीमा की बैठक के उपरांत आयोजित जनदर्शन में 48 लोगों ने विभिन्न विभागों से जुड़े आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किये। कलेक्टर ने सभी विभाग के अधिकारियों को आवेदनों के जल्द निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में मुख्य रुप से राजस्व मामलों, बिजली सम्बन्धी समस्या, राशन कार्ड, भूमि अतिक्रमण, रोज़गार की माँग, लंबित मजदूरी भुगतान, वनाधिकार पत्र, मनरेगा तथा अन्य मामलों से सम्बंधित आवेदन प्राप्त हुए।

# कलेक्टर ने किया मनेंद्रगढ़ शहर का औचक निरीक्षण

## स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के मद्देनजर साफ-सफाई के लिए दिये आदेश

-संवाददाता-

**मनेंद्रगढ़,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में जिले के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में कलेक्टर श्री दुग्गा, नगर पालिका के अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल और मुख्य नगरपालिका अधिकारी ईशहाक ख़ान तथा पार्षदगणों के द्वारा सुबह से शहर के साफ सफाई कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुग्गा ने स्वच्छता दीदियों से विस्तार से चर्चा की।उन्होंने स्वच्छता दीदियों को सब्जी मंडी, बस स्टैंड, जोड़ा तालाब, पार्क परिसर और रिहायशी इलाक़ों में सफाई के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर ने दीदियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा उन्हें बारिश से बचने के लिए रेनकोट का वितरण किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री दुग्गा द्वारा सभी नगरीय निकायों में बारिश के पूर्व नालियों की सफाई कराने, नियमित रूप से पब्लिक प्लेस की साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सहित बेहतर साफ-सफाई कराये जाने के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने सिंगल यूज प्लास्टिक को एसएलआरएम केंद्रों के माध्यम से खरीदने की कार्ययोजना बनाई गई है।

# ग्रा.पं ओड़गी के सचिव के खिलाफ लिखित शिकायत

-संवाददाता-

**सूरजपुर,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** ग्राम पंचायत ओड़गी के सचिव के खिलाफ एक लिखित जिला पंचायत सीईओ व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है ज्ञापन में बताया गया कि सचिव प्रमोद सिंह के द्वारा अपने लोगों को लाभ पहुचाने के उद्देश्य से चौदहवें वित एवं पन्द्रहवें वित की राशि आहरित कर लिया गया है ग्राम पंचायत ओड़गी में सचिव के पद पर प्रमोद सिंह 6 वर्ष से पदस्थ हैं। गौरतलब है कि प्रमोद सिंह के द्वारा अपने कार्य को अत्यंत ही लापरवाहीपूर्वक किया जा रहा है। ग्राम पंचायत को आवंटित चौदहवे वित एवं पन्द्रहवें वित की राशि को मनमानी ढंग से आहरित किया जाता है। तथा अपने लोगो के माध्यम से स्वंय को लाभ पहुचाने के उद्देश्य से चौदहवे वित एवं पन्द्रहवें वित की राशि आहरित की जाती है। किसी भी जनप्रतिनिधि की बात नही सुनते है। जिस कारण ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि काफी आक्रोषित है। सरपंच का डी.एस.सी. भी सचिव अपने पास यह कह कर रखा है, कि यह डी. एस. सी. भी सचिव के पास रहता है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओड़गी का निर्देश है। मेरे द्वारा बार-बार मागें जाने पर भी इसी निर्देश का हवाला दिया जाता है। जिसके कारण पूर्ण रूप से यह संदेह है कि सचिव के द्वारा मुलभूत एवं पन्द्रहवें वित राशि का दुरूपयोग किया गया है, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने गंभीरता से लिया और उन्होंने तत्काल जिले के उच्च अधिकारी से बात कर निराकरण का भरोसा दिलाया और उन्होंने कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच भी होगी ज्ञापन सौंपा के दौरान सरपंच वे जनपद पंचायत सदस व उप सरपंच सहित अन्य लोग मौजूद रहे

# खेलगढ़िया ओलंपिक का आयोजन हरेली तिहार से,कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-

**मनेंद्रगढ़,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने, खेलों के प्रति जागरूकता फैलाने, खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने और खेल भावना का विकास करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक 2023-24 का आयोजन 17 जुलाई हरेली तिहार से किया जा रहा है जिसमें 16 प्रकार के पारंपरिक खेल विधाओं को शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक बुधवार को आयोजित किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, शासकीय के प्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्रतिनिधि

और ज़िले के सभी पीटीआई शिक्षक सम्मिलित हुए।सभी को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री दुग्गा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुसार सामूहिक भागीदारी से छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रत्येक व्यक्ति को अपने हुनर दिखाने का समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सभी पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को खेल आयोजन के लिए आमंत्रित करें। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में दलीय श्रेणी में गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसी खेल विधाएं शामिल की गई हैं। वहीं एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, रस्सी कूद एवं कुश्ती शामिल हैं। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में तीन आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग ले सकेंगें। इसमें प्रथम वर्ग 18 वर्ष की आयु तक, दूसरा वर्ग 18 से 40 वर्ष और तीसरे वर्ग में 40 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागी शामिल होंगे। कलेक्टर ने आयोजको को विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले प्रतिभागियों की संख्यात्मक जानकारी संधारित करने तथा प्रतिभागियों का नाम, पिता का नाम, आधार कार्ड, बैंक खाता, आई.एफ.सी.कोड. मोबाईल नम्बर पंजीयन करते समय ही प्रतिभागियों से लेने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर 17 से 22 जुलाई तक, जोन स्तर (8 राजीव युवा मितान क्लब को मिलाकर बनाए गए जोन) पर 26 से 31 जुलाई, विकासखंड एवं नगरीय क्लस्टर स्तर पर 7 से 21 अगस्त तक होगा। जिला स्तर पर आयोजन 25 अगस्त से 04 सितंबर तक होगा। संभाग स्तर पर आय 10 से 20 सितंबर तक और राज्य स्तर पर 25 से 27 सितंबर तक किया जाएगा।

CMYK

# विधायक ननकीराम के नेतृत्व में जनहित से जुड़े मांगों को लेकर 16 जुलाई को किया जाएगा सांकेतिक चक्काजाम

-संवाददाता-

**कोरबा,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** भाजपा कार्यालय कोरबा में ननकीराम कंवर ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया के आगामी 16 जुलाई को जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर बरपाली तहसील कार्यालय के सामने दोपहर 02 बजे से शाम 05 बजे तक किया जाएगा चक्का जाम द्य उन्होंने बताया के उनके विगत 50 साल के राजनीतिक कैरियर में ऐसे भ्रष्ट सरकार नहीं देखी जिन्होंने सिर्फ जनता को बरगलाना छोड़ और कोई दूसरा काम नही किया । उन्होंने बताया कि रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत निम्नलिखित समस्याएं विद्यमान है । समय-समय पर ग्रामीणो द्वारा अवगत कराने के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं हो सका जिसके कारण सांकेतिक धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होना पड़ रहा है जिससे प्रशासन के संज्ञान में लाकर उसका तत्काल निराकरण किया जा सके ।

1. कोरबा-चांपा 4 लेन सडक निर्माण हेतु प्रभावितों निजी जमीन को शासकीय भूमि बताकर उचित मुआवजा नहीं दिए जाने के कारण एवं उरगा पत्थलगांव भारत माला हेतु निर्धारित किसानों को मुआवजा की विसंगति को दूर करने। 2. उरगा स्थित खनिज विभाग जांच नाका को कीचड़ एवं धूल प्रदूषण से मुक्त करना। 3. 2021 धान खरीदी के 04 किस्त की राशि का अविलंब प्रदाय करने। 4. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना हेतु निःशुल्क अनाज जनवरी 2023 से जुलाई 2023 तक का प्रदाय करने। 5. लैंको भू-विस्थापितों को नौकरी प्रदाय करने । 6. किसानों की मांग अनुसार खाद / यूरिया प्रदाय करने एवं केंचुआ खाद के नाम पर गुणवत्ताहीन खाद की उठाव की अनिवार्यता को हटाने । 7. जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत एवं अतिरिक्त प्रस्तावित कार्यो को समय पर पूर्ण करना। 8. विद्युत विभाग करतला कनिष्ठ यंत्री भूपेन्द्र राठौर को रामपुर विधानसभा से बाहर पदस्थ व करतला एवं भैंसमा में नये कनिष्ठ यंत्री प्रदाय करने पर बताया की इनके इस क्षेत्र में आने के बाद से विद्युत संबंधित लापरवाही देखने को मिल रही है जिसके कारण यहां के लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है । 9. बरपाली (सरगबुंदिया) रेल्वे कोयला साइडिंग को तत्काल बंद करने को लेकर कहा के यह साइडिंग का खुला होना ही संदेह को जन्म देता है क्योंकि इस साइडिंग में गाड़ियों से कोयला लाकर डंप किया जाना फिर पुनः दूसरे गाड़ियों से कोयला का परिवहन करना कहीं न कहीं अवैध कार्य की और इशारा कर रहा जो जनहित के विपरीत है । अतः इन सभी जनहित से जुड़े 09 सूत्रीय मुद्दों को लेकर विधायक ननकीराम कंवर के नेतृत्व में 16 जुलाई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक बरपाली तहसील कार्यालय के सामने सांकेतिक चक्का जाम किया जाएगा । यदि इसके पश्चात भी प्रशासन द्वारा इन मुद्दों का निराकरण नहीं किया जाता है तो रामपुर क्षेत्र के सभी मंडलों द्वारा अनिश्चित काल के लिए चक्का जाम किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रदीप पटेल मंडल अध्यक्ष बरपाली, नटवर शर्मा मंडल अध्यक्ष करतला, कुलसिंह कंवर मण्डल अध्यक्ष उरगा, लक्ष्मी श्रीवास मण्डल अध्यक्ष कुदमुरा, धनसिंह कंवर मण्डल अध्यक्ष गढ़ उपरोड़ा उपस्थित रहे ।

## ट्रैफिक दुरुस्तीकरण को लेकर व्यापारिक संघ करेगी पुनःआंदोलन

-संवाददाता-

**कोरबा,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** कोरबा शहर के इतवारी बाजार क्षेत्र में कई तरह की समस्याएं मौजूद है। इसमें सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की बताई जा रही हैं। इसके कारण यहां की व्यापारिक गतिविधियां बेहद प्रभावित हो रही हैं। इतवारी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन ने प्रशासन और नगर निगम को कई बार इसकी जानकारी दी और शिकायत भी की लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया। इतवारी बाजार नगर का सबसे पुराना बाजार होने के कारण यहां रविवार और गुरुवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। व्यापारियों की सुविधा के लिए नगर निगम ने बीते सालों में यहां चबूतरे और छायादार शेड तैयार कराए पर शॉपिंग आंतरिक मार्ग बदहाली का शिकार हैं। कई कारणों से लोगों की पहुंच मार्केट में नहीं हो पा रही है। इसके चलते मुख्य मार्ग पर संचालित होने वाली दुकानों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

इतवारी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनीश मेमन ने बताया कि इतवारी बाजार की हालत बहुत ही खराब है यहां कई व्यापारी अपनी चार पहिया वाहन दुकान के बाहर खड़ी कर देते हैं। जिसके कारण पूरा यातायात प्रभावित हो रहा है रविवार और गुरुवार को यहां स्थिति बद से बदतर हो जाती है क्योंकि कई व्यापारियों का माल छोटा हाथी, पिकअप, मेटाडोर में आता है और दुकानदार अपनी दुकान के सामने गाड़ियां खड़ी कर माल उतरवाते हैं व लोड करते हैं जिसके कारण पूरा ट्रैफिक जाम हो जाता है। रविवार व गुरुवार को यहां साप्ताहिक बाजार लगता है जिसमें लोग दूर-दूर से यहां सब्जी व रोजमर्रा के जरूरत का सामान लेने आते हैं लेकिन उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि यहां के कई व्यापारी अपनी चार पहिया वाहन अपने दुकान के बाहर लगा देते हैं जिसके कारण ट्रैफिक जाम होने की स्थिति में आम लोगों को बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि समस्या पर प्रशासन या निगम जल्द कोई उपाय नहीं निकालता है तो व्यापारिक संघ ट्रैफिक दुरुस्तीकरण के मुद्दे को लेकर उतरेगी सड़क पर ।

# बिश्रामपुर के निजी छात्रावास में एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

-संवाददाता-

**सूरजपुर ,12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** सूरजपुर जिले के विश्रामपुर सतपता स्थित बीएल छात्रावास में बीती रात एक 12 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आ रही है। घटना के बाद कमरे में सर्प देखे जाने से छठवीं कक्षा में पढ़ने वाले इस छात्र की सर्पदंश से मौत होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बच्चे को बेहोशी हालत में लेकर छात्रावास प्रबंधन सुबह जिला चिकित्सालय उपचार कराने पहुंची जहां पर उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । इस मामले में बच्चे के परिजनों ने छात्रावास प्रबंधन के ऊपर जानबूझकर लापरवाही का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि विश्रामपुर सतपता स्थित कार्मेल कान्वेंट स्कूल में कक्षा 5 वी में अध्ययनरत छात्र विवेक पटेल सूरजपुर जिले के प्रतापपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत डाडकरवा का रहने वाला था, इसके परिजनों द्वारा स्कूल के बगल में ही बीएल नामक एक निजी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने प्रवेश दिलाया गया था, छात्रावास में हुए इस बच्चे की मौत से जिले में सनसनी फैल गई है, वही छात्रावास प्रबंधन के ऊपर मामले को गंभीरता से लेकर जांच की मांग की जा रही है। बताया जा रहा है कि बिश्रामपुर क्षेत्र में दो निजी बड़े स्कूलों का संचालन होने से पूरे इलाके में मनमाने ढंग से कई छात्रावास का संचालन पिछले कई वर्षों से हो रहा है। लेकिन आज तक प्रशासनिक दृष्टि से इनकी मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। फिलहाल इस मामले में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया तो ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है वही गांव में मातम पसरा है । छात्र विवेक के इस संबंध में निष्पक्ष जांच के लिए कलेक्टर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर एक लिखित ज्ञापन सौंपा है उन्होंने ज्ञापन में बताया है कि बि.एल हास्टल अधिक्षक विश्रामपुर के द्वारा जानबूझ कर लापारवाही पूर्वक बच्चे कि जान लिया गया मेरा भर्ती भतीजा विवेक पटेल कक्षा 5वी का छात्र था। जो बि. एल हास्टल विश्रामपुर में रहता था। दिनांक 11-07-03 को बच्चे का तबीयत रात में खराब हुआ दिनांक 12-07.023 को सुबह 07 बजे हम लोगों को सूचना दिया गया हास्टल के कर्मचारी द्वारा सुबह 7 बजे जिला हॉस्पिटल बच्चे को लाया गया जहां उसका मृत्यु हो गया समय रहते अगर हमको सूचना मिला होता तो हो सकता हैं कि हमारा बच्चा बच गया होता। मुझे लगता है कि हास्टल अधिक्षक के लापारवाही से ही हमारे बच्चे कि जान गई है। आवेदन पर सहानभूति पूर्वक विचार करते हुए निष्पक्ष जांच करने की मांग की है

## चरमराती विद्युत आपूर्ति और शिकायतों पर कलेक्टर ने जताई कड़ी नाराजगी

-संवाददाता-

**कोरबा 12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** कलेक्टर संजीव कुमार झा जिले में बार-बार बाधित हो रही विद्युत आपूर्ति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को जिले की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। लाइट जाने एवं अन्य खराबी आने पर सुधार कार्य हेतु तत्काल कर्मचारियों को भेजा जाए और रात्रि में भी कर्मचारियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही की शिकायत लगातार सामने आ रही है, आम जनमानस में आक्रोश का वातावरण न फैले इस दिशा में समुचित कदम उठाएं।

# एस्मा लगाने पर कर्मचारी आक्रोशित

## 17 जुलाई को कर्मचारी करेंगे जेल भरो एवं उग्र आंदोलन

-संवाददाता-

**सूरजपुर 12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले संविदाकर्मी 10 दिनों से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं। इस आंदोलन में राज्यभर के 45 हजार संविदा कर्मचारी शामिल हैं। यह आंदोलन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। बता दें कि, कर्मचारियों की नाराजगी कांग्रेस की ओर से नियमितीकरण का वादा पूरा नहीं करने की वजह से है। जिन विभागों के कर्मचारी हड़ताल पर गए हैं, उनमें स्वास्थ्य, मनरेगा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना, अन्य विभाग शामिल हैं, जिनमें कामकाज इस हड़ताल की वजह से प्रभावित हो रही हैं। बीते साढ़े 4 सालों से अलग-अलग समय पर कर्मचारी संगठन आंदोलन करते रहे हैं। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया है कि कई बार बातचीत की पहल करने के बावजूद प्रशासनिक अफसरों ने कोई चर्चा नहीं की और ना ही इनकी मांगों पर ध्यान दिया। मजबूर होकर अब अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर्मचारियों को करना पड़ा है।

### हड़ताली कर्मचारियों पर लगाया गया एस्मा

सर्व संविदा कर्मचारियों के कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि हम सभी संविदा कर्मचारी अपनी जायज मांग को लेकर हडताल पर है मगर सरकार हमारी मांगों को लेकर न ही कोई संवाद कर रही है और न ही कोई ठोस निर्णय लिया जा रहा है। प्रवक्ता मनोज जायसवाल ने बताया कि, शासन की तरफ से प्रदर्शन-हड़ताल में शामिल स्वास्थ्य विभाग के संविदा नर्स, स्वास्थ्य कर्मी, एंबुलेंस सेवा के कर्मचारी को काम पर लौटने का आदेश जारी करते हुए उनपर एस्मा लागू कर दिया गया है। इस कदम से प्रदर्शनकारी काफी आक्रोशित है और आंदोलन उग्र करने की दी चेतावनी और बताया गया कि अगर किसी कर्मचारी पर कार्यवाही होती है तो हम सब 45 हजार कर्मचारी एक साथ है।

### जल सत्याग्रह

सर्व संविदा कर्मचारियों के द्वारा आज प्रान्त स्तर पर एस्मा लगाने के विरोध में कई घंटों तक जल सत्याग्रह का किया गया आयोजन।

### 17 जुलाई को किया जाएगा जेल भरो आंदोलन के साथ-साथ उग्र आंदोलन

सर्व संविदा कर्मचारी संघ के जिला संयोजक ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि संविदा कर्मचारियों के पक्ष में कोई निर्णय नही होने पर एवं सरकार के द्वारा एस्मा लगाने से आक्रोशित 45 हजार संविदा कर्मचारी एक साथ 17 जुलाई को रायपुर में जेल भरो आंदोलन के साथ-साथ उग्र आंदोलन की दी चेतावनी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होंगी।

# एससीएसटी एक्ट के तहत कार्यवाही कर 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

**सूरजपुर 12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** दिनांक 11.07.2023 को ग्राम सरहरी निवासी कलिन्दर राम सांडिल्य ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि मंगलवार की सुबह ग्राम मायापुर से पैदल घर सरहरी जाने निकला था, मायापुर में रोड़ बनाने का काम चलने पर वहीं रोड़ किनारे ग्रेडर मशीन के पास पहुंचा तो ग्रेडर मशीन का आपरेटर अभिषेक पटेल उसका साथी कृष्ण पटेल व सोनू राठौर के द्वारा रास्ता रोककर गाली-गलौज कर मोबाईल चोरी किए हो कहकर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किए, बाद में इसके परिजन वहां खोजते हुए आए और इसे घर ले गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना प्रतापपुर ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 341, 294, 506, 323, 34 भादसं. एवं धारा 3-1 (आर-एस), 3-2 (व्ही)(क) एससीएसटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

थाना प्रतापपुर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दबिश देकर आरोपी अभिषेक पटेल पिता विजय पटेल उम्र 21 वर्ष ग्राम बिरहोली, थाना रिखी, जिला कटनी, कृष्ण पटेल पिता दामोदर पटेल उम्र 20 वर्ष ग्राम बड़ागांव, चौकी गेलहरी, थाना कोठला जिला कटनी एवं सोनू राठौर पिता मोतीलाल उम्र 19 वर्ष ग्राम चांदपुर, थाना जैतहरी, जिला अनूपपपुर को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा जप्त कर तीनों आरोपियों गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर किशोर केरकेट्टा व उनकी टीम सक्रिय रही।

# कलेक्टर ने दूरस्थ क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने दिए निर्देश

-संवाददाता-

**कोरबा 12 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।** जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जन चौपाल में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे लोगों से कलेक्टर संजीव कुमार झा ने मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आवेदकों ने बारी-बारी से कलेक्टर श्री झा के समक्ष अपनी शिकायतें प्रस्तुत कर निराकरण की मांग की। जन चौपाल में 131 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें आवेदकों द्वारा इलाज हेतु सहायता, स्वामी आत्मानंद विद्यालय में प्रवेश, आर्थिक सहायता, मुआवजा दिलाने, मजदूरी भुगतान, लंबित राशि का भुगतान, वन अधिकार पट्टा दिलाने, बिजली समस्या संबंधी शिकायतें, शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने, नामांतरण, नक्शा दुरुस्तीकरण, भूमि सीमांकन, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, रोजगार प्रदाय की मांग जैसे अन्य आवेदन शामिल है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू सहित सभी एसडीएम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## कार्यालय पुलिस अधीक्षक,जिला सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमांक/पु.अ./सूरज/निविदा/एम/ 25 92-अ/2023 . सूरजपुर दिनांक 10.07.2023

छ.ग. शासन के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त क्षेणी के पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा भवन निर्माण कार्य हेतु जारी एसओआर. दिनांक 01.01.2015 के आधार पर इकाई अंतर्गत निम्नानुसार निर्माण कार्यों के लिये दर्शित तिथि अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पंजीकृत/स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है:-

**निविदा आमंत्रण हेतु सूचना**

(01). निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 24 जुलाई 2023 सायंकाल 05.30 बजे तक।
(02). निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि - 31 जुलाई 2023 दोपहर 03.00 बजे तक
(03). निविदा खुलने की तिथि - 31 अगस्त 2023 सायं- 05.00 बजे।

| क्र0 | कार्य का नाम | कार्य की लागत | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | थाना भवन चंदौरा का विशेष मरम्मत कार्य। | 3,00,000 | 2250 | 750.00 | 4 माह वर्षा ऋतु |
| 02 | यातायात शाखा कार्यालय भवन का विशेष मरम्मत कार्य | 4,50,000 | 3375 | 750.00 | 4 माह वर्षा ऋतु |

**नियम व शर्ते :-**

- निविदा प्रपत्र का शुल्क भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में चालान जमा कर (हेड-0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां) चालान की मूल प्रति आवेदन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में जमा करने के पश्चात ही निविदा प्रपत्र प्रदान किया जावेगा।
- निविदा से संबंधित आवश्यक नियम व शर्तें तथा अन्य विस्तृत जानकारियां कार्यालयीन अवधि में अधोहस्ताक्षतकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है ।
- पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को अंतिम अधिकार होगा कि वे बिना कारण बताये निविदा निरस्त कर सकते हैं एवं निविदा की तिथि में संशोधन कर सकते हैं या पुनः निविदा आमंत्रित कर सकते हैं।

जी.नं.-03171/1

**पुलिस अधीक्षक**
**सूरजपुर**

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)**

**ईश्तहार**

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास कुमार मिश्रा आ0 अवधेश मिश्रा निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 198/7 रकबा 0.040 हे0 भूमि को अनावेदक रंजना यादव पति संदीप कुमार यादव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 6,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईआपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26/07/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस नयायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 21/06/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील **तहसीलदार** अम्बिकापुर

**न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0**

**ईश्तहार**

**रा.प्र.क्र. 202307022300003 /अ-21/2022-23**

एतद् सर्व साधारण ग्राम डकई को सूचित किया जाता है कि आवेदिका साक्षी अग्रवाल पत्नी अभिषेक अग्रवाल, निवासी कुण्डला सिटी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम डकई स्थित भूमि खसरा नम्बर 415/1, 415/2 रकबा क्रमशः 0.368, 0.405 हे0 भूमि को अनावेदक रश्मी मित्तल पति रमेश मित्तल निवासी खरसिया रोड, कुण्डला सिटी तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन न्यायालय कलेक्टर, जिला सरगुजा के ज्ञापन क्रमांक 1184/ वाचक/ 2023 अम्बिकापुर दिनांक 30/05/2023 द्वारा इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जो इस नयायालय में विचाराधीन है। उक्त-कार्यावाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 21/07/2023 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 04/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं नयायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

सील **नायब तहसीलदार रघुनाथपुर,सरगुजा**

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला - सूरजपुर,छ0ग0**

**ईश्तहार**

**रा.प्र.क्र.202306202000004 /अ-6/2022-23**

आगामी तिथि 18/07/2023

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मो0 हसन आ0 अब्दुल हबीब, उम्र 35 वर्ष जाति मुसलमान, निवासी सूरजपुर (मस्जिद मोहल्ला) थाना, तहसील व जिला-सूरजपुर छ0ग0 व अन्य 01 के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता का आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1979/1 एवं 1977/1 रकबा क्रमशः 27781,2174 व0फी0 भूमि को नजूल अभिलेख में आवेदकगण के पिता अब्दुल हबीब एवं अनावेदगण तथा सहखातेदार मृत ताजो बीबी,रईस अहमद, सहीदा खातुन के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है। खाताधारक अब्दुल हसीब की मृत्यु दिनांक-05/08/2019 को होने पर मृतक के निकटतम उत्तराधिकारी के रूप में आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।, जिसके संबंध में कार्यवाही इस न्यायालय द्वारा की जा रही है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 18/07/2023 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28/06/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील **नजूल अधिकारी अम्बिकापुर**

CMYK

# अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सत्र का आगाज

## चेन्नई लायंस और पुणेरी पल्टन के मैच से

**पुणे,12 जुलाई 2023।** स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल की चेन्नई लॉयंस और मेजबान पुणेरी पल्टन के मुकाबले से अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सत्र का यहां बृहस्पतिवार को आगाज होगा। चार साल पहले चेन्नई लॉयंस ने दबंग दिल्ली को फाइनल में हराकर खिताब जीता था और इस बार भी उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। छह टीमों की यह लीग 13 से 30 जुलाई के बीच खेली जायेगी। शरत उन चार खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टीमों ने इस बार रिटेन रखा है। चीन में इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2024 पेरिस ओलंपिक से पहले उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें होंगी। बेंगलुरू स्मैशर्स ने मनिका बत्रा को और दबंग दिल्ली ने जी साथियान को बरकरार रखा है।

मानव ठक्कर मुंबई की कमान संभालेंगे। चार बार के ओलंपियन शरत के अलावा चेन्नई टीम में आस्ट्रेलिया के यांगजी लियू और जर्मनी के बेनेडिक्ट डुडा भी हैं। इनके

अलावा भारत की सुतीर्था मुखर्जी, पायस जैन और प्राप्ती सेन भी इसी टीम में हैं। पुणेरी पल्टन में मिस्र के उमर असार पर नजरें होंगी जो इस साल दक्षिण अफ्रीका में विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे अफ्रीकी खिलाड़ी बने। चेक गणराज्य की हाना मातेलोवा महिला वर्ग में विदेशी खिलाड़ी हैं। इनके साथ भारत के स्नेहित एसएफआर, अनुषा के, अर्चना कामथ और मानुष शाह भी खेलेंगे।

बेंगलुरू स्मैशर्स की अगुवाई मनिका करेंगे जिनके साथ अंकुश भट्टाचार्य, सानिल शेट्टी, पॉयमंती बैस्या, कजाखस्तान के किरिल जी और पोलैंड की नताल्या बाजोर हैं। दबंग दिल्ली के प्रदर्शन का दारोमदार शीर्ष 25 में पहुंचने वाले पहले भारतीय साथियान पर रहेगा। उनके साथ श्रीजा अकुला, अयहिका, अनिर्बान घोष, स्लोवाकिया की बारबोरा बालाजोवा और स्वीडन के जोन पेरसन होंगे। गोवा चैलेंजर्स टीम में थाईलैंड की सुथासिनी एस और अलवारो रोबल्स खेलेंगे। भारतीय खिलाड़ियों में हरमीत देसाई, के सिन्हा रॉय, एंथोनी अमलराज, टीम रीथ रिष्या प्रमुख हैं। यू मुंबा टीम में ठक्कर के अलावा दिया चितले, मोउमा दास, ग्रोवर्स के अलावा अरूणा कादरी और लिली झांग नजर आयेंगे। सभी मैच शाम 7.30 से शुरू होंगे।

## एशिया कप का कार्यक्रम तय

**» पाकिस्तान नहीं जायेगी भारतीय टीम :धूमल**

**नयी दिल्ली ,12 जुलाई 2023।** भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहुचर्चित मैच श्रीलंका में होगा क्योंकि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जायेगी। आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। धूमल इस समय डरबन में आईसीसी मुख्य कार्यकारियों की बैठक के लिये गए हैं। उन्होंने पुष्टि की कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और पीसीबी प्रमुख जाका अशरफ की बृहस्पतिवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक से पहले मुलाकात हुई ताकि एशिया कप का कार्यक्रम तय हो सके। धूमल ने डरबन से पीटीआई से कहा ,''हमारे सचिव ने पीसीबी प्रमुख जाका अशरफ से मुलाकात की और एशिया कप के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। यह उसी के अनुरूप है जिस पर पहले बात की गई थी।

पाकिस्तान में लीग चरण के चार मैच होंगे जिसके बाद नौ मैच श्रीलंका में होंगे।इसमें भारत और पाकिस्तान का मैच शामिल है। दोनों टीमें फाइनल खेलती हैं तो वह भी श्रीलंका में होगा।'' उन्होंने पाकिस्तान मीडिया में आ रही इन अटकलों को खारिज किया कि भारतीय टीम पाकिस्तान जायेगी। भारतीय टीम या हमारे सचिव पाकिस्तान नहीं जायेंगे। सिर्फ कार्यक्रम तय किया गया है।'' भारतीय टीम श्रीलंका के दाम्बुला में पाकिस्तान से खेल सकती है। पाकिस्तान का अपनी धरती पर एकमात्र घरेलू मैच नेपाल के खिलाफ होगा। इनके अलावा पाकिस्तान में अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, बांग्लादेश बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान मैच होंगे।

## टीम इंडिया के लिए बड़ी खुशखबरी

**अय्यर ने शुरू की प्रैक्टिस**

**नई दिल्ली,12 जुलाई 2023।** टीम इंडिया की मेजबानी में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले भारत को एक बड़ी खुशखबरी मिलती नजर आ रही हैं. दरअसल लंबे समय से चोटिल चल रहे श्रेयस अय्यर ने प्रैक्टिस शुरू कर दी हैं. अय्यर नेट में बल्ले बाजी करते देखे गये. खिलाड़ी का वर्ल्ड कप से पहले नेट में अभ्यास करना टीम इंडिया के लिए राहत की बात साबित हो सकती हैं. अय्यर ने कुछ वक्त पहले ही सर्जरी करवाई थी. अपनी बैक इंजरी से परेशान श्रेयस अय्यर अब रिकवरी और वापसी की राह पर दिख रहे हैं. अय्यर ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास शुरू किया है. अय्यर के साथ मौजूदा वक्त में केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे स्टार भारतीय खिलाड़ी अपनी इंजरी के चलते टीम इंडिया से दूर चल रहे हैं. ऐसे में अय्यर की वापसी टीम के लिए बड़ा रिलीफ साबित हो सकती है. भारतीय टीम को अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले वनडे विश्व कप से पहले एशिया कप भी खेलना है. हालांकि उनका एशिया कप में वापसी करना तो मुश्किल नजर आ रहा हैं लेकिन प्रैक्टिस पर लौटने के बाद उम्मीद जतायी जा रही हैं कि अय्यर वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं. वहीं अय्यर की वापसी टीम के लिए इसलिए भी खास रहने वाली हैं. क्योंकि फिलहाल भारत के पास नंबर 4 को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पा रहीं हैं कि आखिर किस खिलाड़ी को इस जगह पर खिलाया जाये. क्योंकि टीम के पास नंबर 4 को लेकर कोई खिलाड़ी भी सेट नहीं हैं. ऐसे में अय्यर की वापसी टीम के लिए बड़ी राहत साबित होगी.

## एशियाई खेलों की तैयारी के लिये अहम है जर्मनी और स्पेन दौराः सविता

**बेंगलुरू,12 जुलाई 2023।** भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम आगामी जर्मनी और स्पेन दौरे को हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के मौके के रूप में देख रही है । भारतीय टीम बुधवार को यूरोप रवाना हुई टीम पहले तीन मैचों की श्रृंखला के लिये जर्मनी जायेगी जहां मेजबान जर्मनी के अलावा चीन से भी खेलना है ।इसके बाद स्पेन के टेरासा में 25 जुलाई को मेजबान से, 27 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका और 28 जुलाई को इंग्लैंड से खेलना है ।

सविता ने जर्मनी रवाना होने से पहले कहा,'' हमें इस दौरे का इंतजार है । एशियाई खेलों से पहले अच्छी टीमों का सामना करने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा ।''उन्होंने कहा ,'' ये मैच काफी अहम हैं क्योंकि हम एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं । पिछले कुछ महीने में हमने अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया है और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे ।''एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक खेले जायेंगे ।

## विंबलडन 2023: रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पुरुष युगल के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची

**लंदन,12 जुलाई 2023।** भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन ने विंबलडन 2023 पुरुष युगल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बोपन्ना और एबडेन ने राउंड 16 में नीदरलैंड के डेविड पेल और यूएसए के रीज़ स्टैल्डर को हराया।

ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खेलते हुए, छठी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने अपने गैरवरीय विरोधियों को दो घंटे और 19 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 4-6, 7(10)-6(5) से हरा दिया। एटीपी युगल रैंकिंग में दुनिया के 12वें नंबर के रोहन बोपन्ना और पिछले साल मैक्स परसेल के साथ विंबलडन युगल खिताब जीतने वाले दुनिया के 16वें नंबर के मैथ्यू एबडेन ने पहले सेट में अनुशासित प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सर्व बरकरार रखी और पहला सेट जीत लिया।

दूसरे सेट की शुरुआत में बोपन्ना और एबडेन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हालाँकि, खेल की गति के विपरीत, डेविड पेल और रीज़ स्टैल्डर, ने 10वें गेम में बोपन्ना की सर्विस तोड़ दी और मैच को निर्णायक गेम में ले गए।

हालाँकि बारिश के कारण तीसरे सेट की शुरुआत में एक घंटे से अधिक की देरी हुई, लेकिन मैच दोबारा शुरू होने के बाद भी इसी तरह का पैटर्न देखने को मिला। मुकाबले को 10-पॉइंट टाई-ब्रेकर में ले जाने के लिए बोपन्ना और एबडेन को तीन मैच पॉइंट बचाने थे।

टाई-ब्रेकर में पेल और स्टैल्डर ने 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि इसके बाद बोपन्ना और एबडेन ने लगातार सात अंक हासिल कर मैच को अपने पक्ष में कर लिया।

क्वार्टर फाइनल में रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन का मुकाबला डच जोड़ी बार्ट स्टीवंस और टालोन ग्रिक्सपुर से होगा। इससे पहले दूसरे दौर में बोपन्ना और एबडेन ने सोमवार को जैकब फर्नले और जोहानस की ब्रिटिश जोड़ी को सीधे गेम में हराया।बोपन्ना विंबलडन में एकमात्र भारतीय चैलेंजर हैं। इससे पहले, युकी भांबरी-साकेत माइनेनी और जीवन नेदुनचेझियान-एन श्रीराम बालाजी की पुरुष युगल जोड़ी पहले दौर में हार गई, जबकि अंकिता रैना महिला एकल क्वालीफायर में बाहर हो गई।

## स्मिथ और लाबुशेन को पछाड़कर करियर के सर्वोच्च दूसरे स्थान पर पहुंचे ट्रेविस हेड

**दुबई ,12जुलाई 2023।** ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में अपने टीम साथियों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन को पछाड़कर करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जबरदस्त एशेज श्रृंखला प्रदर्शन के दम पर दो स्थान की छलांग लगाई और न्यूजीलैंड के अनुभवी केन विलियमसन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जिससे उन्होंने पहले ही 44.33 की औसत से कुल 266 रन बना लिए हैं। 29 वर्षीय की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तीसरी थी, जो पिछले महीने भारत के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद हासिल हुई थी, जिसमें उन्होंने पहली पारी में निर्णायक 163 रन बनाए थे।

हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट में हेड के 39 और 77 के स्कोर ने उन्हें विलियमसन के 883 रेटिंग अंकों के नौ अंकों के भीतर पहुंचा दिया है, हालांकि बल्लेबाजी रैंकिंग शीर्ष पर अस्थिर बनी हुई है और शीर्ष सात में से पांच मौजूदा एशेज श्रृंखला में शामिल हैं।

लीड्स में तीन विकेट की करीबी जीत के बाद इंग्लैंड के लिए काफी अच्छी खबरें आईं, दूसरी पारी में अपने शानदार अर्धशतक के बाद युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग में एक स्थान ऊपर रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए। बेन स्टोक्स पांच स्थान के सुधार के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गये। गेंदबाजी रैंकिंग में स्टुअर्ट ब्रॉड और मार्क वुड ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

मैच में पांच विकेट लेने के बाद ब्रॉड चार स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वुड सात विकेट के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 591 रेटिंग अंकों के साथ नौ स्थान ऊपर 26वें स्थान पर हैं, जिसमें दूसरी पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। क्रिस वोक्स दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट लेकर रैंकिंग में दोबारा 36वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने उस हेडिंग्ले टेस्ट में सात विकेट लिए और उन्हें गेंदबाज रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर कुल मिलाकर 11वें स्थान पर पहुंचा दिया गया।

## विंबलडन 2023 के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच ने बनाई जगह

**» हासिल की लगातार 32वीं जीत**

**सर्बिया,12जुलाई 2023।** सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2023 के सेमीफाइनल मुकाबले में जगह बना ली है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच ने रूसी खिलाड़ी आंद्रेई एंड्रीविच रुबलेव को मात देकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया है। इस जीत के साथ ही नोवाक जोकोविच ने पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाने का आंद्रे का सपना भी तोड़ दिया।

इस मुकाबले में नोवाक जोकोविच ने 4-6, 6-1, 6-4, 6-3 के साथ मुकाबले में जीता हासिल की है। इस जीत के साथ नोवाक ने पूर्व टेनिस दिग्गज के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। उन्होंने अपने 46वें सेमीफाइनल मुकाबले में जगह बना ली है। बता दें कि इस जीत के साथ नोवाक जोकोविच अब लंदन में लगातार पांचवी जीत हासिल करने के एक कदम नजदीक पहुंच गए है। वहीं रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतने

की उम्मीद भी अभी जाग रही है।

लाइव रैंकिंग की बात करें तो नोवाक जोकोविच 8315 अंकों के साथ अब भी शीर्ष पर है, जबकि कार्लोस 8035 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं एटीपी रैंकिंग में इस वर्ष वर्तमान में कार्लोस अल्कराज शीर्ष पर है, जबकि दूसरे नंबर पर नोवाक जोकोविच है। उन्हें शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्ष 2023 में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

इस जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा कि हर टेनिस खिलाड़ी इस स्थिति में रहना चाहता है जहां विपक्षी आपके खिलाफ जीतना चाहे। ये एक विशेषाधिकार है। खेल में दवाब भी होता है जो हमारे खेल का ही हिस्सा है। खेल का दवाब कभी खत्म नहीं हो सकता है।

आंद्रेई एंड्रीविच रुबलेव अपना आठवां ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेल रहे थे। अब भी उन्हें पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश की मगर वो इसमें सफल नहीं हो सके। बता दें कि आंद्रेई एंड्रीविच रुबलेव ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने आठ बार क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेला है और वो हर क्वार्टरफाइनल में हार का सामना कर चुके है। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों का सामना ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में हुआ था, जहां जोकोविच ने आंद्रेई एंड्रीविच रुबलेव को मात दी थी। दोनों खिलाड़ियों के बीच आंकड़ों की बात करें तो इनके बीच जीत हार का रिकॉर्ड 4-1 का हो गया है।

## जीओ टीम 15वीं विश्व ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफायर में गौरव के लिए लड़ने के लिए तैयार

**नई दिल्ली,12 जुलाई 2023।** 15वीं वर्ल्ड स्पोर्ट्स चैंपियनशिप (डब्ल्यूआईसी) में अपनी जगह सुरक्षित करने के लक्ष्य के साथ, भारत का पुरुष सीएसजीओ संगठन रियाद में लैन क्वालीफायर में एशिया की प्रमुख टीमों के साथ मुकाबला करने के लिए तैयार हो रहा है। , सऊदी अरब 13-17 जुलाई तक। एस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएसएफआई) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाद्वीप की शीर्ष दस सीएसजीओ टीमों को दो समूहों में विभाजित किया जाएगा और 13-17 जुलाई तक 12,500 यूएसडी पुरस्कार पूल में हिस्सेदारी के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की जाएगी।

ग्रुप ए में रखे जाने पर, टीम इंडिया में कप्तान हर्ष रणजीत जैन , मोहम्मद सादाब खान, निखिल हीरामन काठे , जसप्रीत सिंह, पीयूष धर्मपाल कलवानिया (क्लौडा) और स्थानापन्न ओंकार थुबे शामिल हैं। दूसरे दिन ईरान से भिड़ने से पहले पहले दिन उज्बेकिस्तान, वियतनाम और सऊदी अरब के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

## रिलीज हुआ ओह माय गॉड 2 का दमदार टीजर

**अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी ने मचा दी धूम**

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म ओह माय गॉड 2 को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस फिल्म का टीजर आज रिलीज कर दिया गया है। टीजर रिलीज होने के बाद से ही अक्षय कुमार और उनकी ये आने वाली फिल्म दोनों की सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। लोगों को फिल्म का टीजर काफी पसंद आ रहा है। टीजर को देखने के बाद से लोग अब इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

पिछले दिनों अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 से कुछ झलकियां सामने आई थीं। फिल्म के इन क्लिप्स को देखकर लोगों ने फिल्म मेकर्स और अक्षय कुमार को काफी सारी नसीहतें दी थीं। लोगों ने मेकर्स से साफ कहा था कि फिल्म के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न की जाए क्योंकि ये फिल्म भी लोगों की धार्मिक भावनाओं पर आधारित है और धर्म को लेकर कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। धर्म और धार्मिक भावनाओं को लेकर काफी सारी बातें होने के बाद अब फिल्म मेकर्स ने इस मूवी का टीजर रिलीज कर दिया है जिसे लोग पसंद कर रहे हैं। टीजर की शुरुआत एक खास डायलॉग से होती है जिसमें कहा जाता है- ईश्वर है या नहीं इसका प्रमाण इंसान आस्तिक या नास्तिक होकर दे सकता है। पर भगवान अपने बनाए हुए बंदों में कभी भेद नहीं करता। फिर चाहे वो नास्तिक कांजीलाल मेहता हो या फिर आस्तिक शांति करण मुदगल। तकलीफ में लगाई हुई पुकार उसे हमेशा उसे अपने बंदों तक खींच ही लाती है।

अक्षय कुमार ने फिल्म का टीजर शेयर करते हुए लिखा है- रख विश्वास, ओह माय गॉड 2 की टीजर आउट हो गया है।

अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 आगामी 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म के टीजर में पंकज त्रिपाठी भी नजर आ रहे हैं जिनकी एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आ रही है। आपको बता दें कि ओह माय गॉड 2 के साथ ही फिल्म गदर 2 भी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म गदर 2 में सनी देओल और अमीषा पटेल नजर आएंगी। ऐसे में थिएटर्स में इन दोनों फिल्मों का क्लैश हो सकता है।

## फ्लोरल गाउन और किलर स्माइल से जाह्नवी कपूर ने लूटी महफिल, इंटरनेट पर फैंस ने लुटाया बेशुमार प्यार

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए हुए हैं। फ्लोरल गाउन में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने किलर पोज से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिरा रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फ्लोरल गाउन में बेहद ही कातिलाना अंदाज में नजर आ रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी कातिलाना स्माइल से फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई किए हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर जल्द ही एक्टर वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने इस फोटोशूट के दौरान कई कातिलाना पोज दिए, जिन्हें देखकर फैंस उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद ही कमाल लग रही हैं। ज्यादातर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर कर्वी फिगर से फैंस की धड़कनें बढ़ा रही हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो मिली और ओटीटी फिल्म गुड लक जैरी में नजर आई थीं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इस बोल्ड लुक में काफी हॉट एंड ग्लैमरस दिखने के साथ बेहद ही खूबसूबरत लग रही हैं।

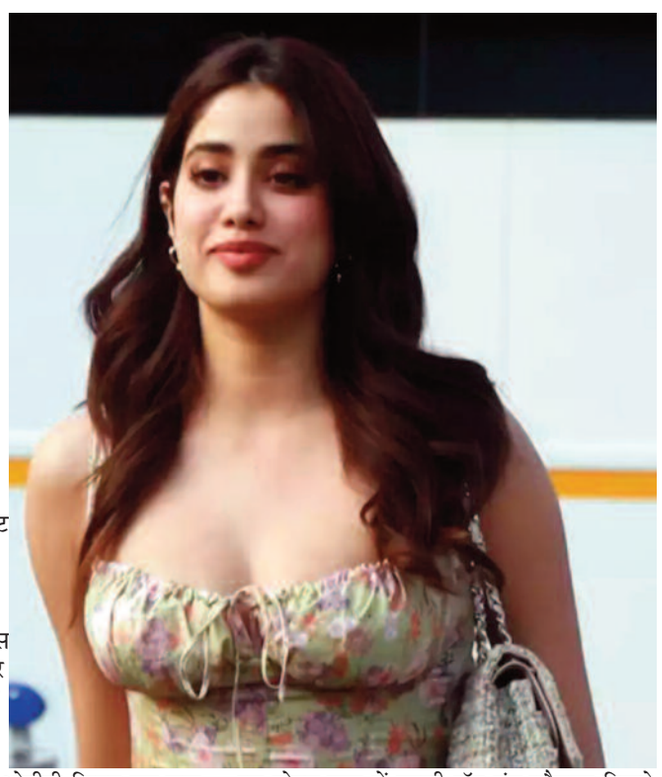

# राहुल गांधी पर हुए अन्याय के मामले में कांग्रेस ने मचाया हंगामा

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अन्याय किए जाने का आरोप लगाते हुए आज कांग्रेसजनों ने मौन सत्याग्रह कर अपना विरोध जताया। इस विरोध-प्रदर्शन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित प्रदेश कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने शिरकत की है। सीएम भूपेश बघेल गांधी मैदान में चल रहे मौन सत्याग्रह में शामिल होने पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल के अलावा मंच पर प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत सत्ता और संगठन के कई बड़े चेहरे एक साथ मौन रहकर विरोध जता रहे हैं। यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक मौन प्रदर्शन होगा। ज्ञात हो कि 7 जुलाई को जब कोर्ट का फैसला आया तब भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत तमाम कांग्रेसी नेता सारे कार्यक्रम रद्द कर रायपुर के अंबेडकर चौक पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया था। यहां सीएम भूपेश बघेल ने कहा था कि अंग्रेज केवल महात्मा गांधी से डरते थे।

भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी से डर रही है।

### मौन सत्याग्रह खत्म होते ही सीएम भूपेश बघेल ने क्या कहा

मोदी सरनेम मामले पर राहुल गांधी की याचिका गुजरात हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। इसके विरोध में रायपुर के गांधी मैदान में आज कांग्रेस के नेताओं ने 5 घंटे तक मौन सत्याग्रह किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत,प्रदेश के नेता, मंत्री शामिल हुए।

मौन सत्याग्रह खत्म होने के बाद सीएम भूपेश बघेल ने कहा केंद्र सरकार द्वारा लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। प्रजातंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस हमेशा लड़ती रहेगी। मुख्य ने कहा जनता की आवाज बुलंद करने वाले लोगों की आवाज बंद करने की कोशिश की जा रही है। उन्होने कहा पहले तो राहुल गांधी की सदस्यता खत्म की फिर उनके निवास को खाली कराया गया।

### राहुल गांधी के समर्थन में 'मौन सत्याग्रह':अरुण साव बोले- संविधान और न्यायालय को नहीं मानती कांग्रेस

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस के 'मौन सत्याग्रह' पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि, जिस व्यक्ति ने पिछड़े वर्ग को गाली दी, उनका उपहास उड़ाया, उस व्यक्ति के लिए मौन धारण कर प्रदर्शन करना और उसे सत्याग्रह का नाम देना, पिछड़े वर्ग के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा कृत्य है। अरुण साव ने कहा कि, कांग्रेस का जो रवैया है, उससे यह पूर्णतः स्पष्ट है कि आज अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार रहती है तो वह राहुल गांधी की चाटुकारिता के लिए शायद आपातकाल लगाने से भी नहीं चूकती, जैसा कि इंदिरा गांधी के लिए लगाया गया था। कांग्रेस देश के संविधान और न्यायपालिका में विश्वास नहीं रखती। वह केवल एक परिवार को ही सब कुछ मानती है। देश की जनता भी इनकी प्राथमिकता में नहीं है।

साव ने कहा कि, न्यायपालिका जिस पर सभी का भरोसा होता है, आज कांग्रेस उसके खिलाफ, उसके फैसले के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रही है। यह देश के संविधान का मजाक उड़ाने जैसा है। जनता अब यह मान रही है कि कांग्रेस गांधी परिवार के आगे देश के संविधान को भी नहीं मानती और न्यायपालिका की विश्वसनीयता को खंडित करने का कुंठित प्रयास करती है। पूरे देश की जनता कांग्रेस का यह कृत्य देख रही है, कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि, 'मोदी सरनेम' पर न्यायालय से सजा मिलने के बाद राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस आज 'मौन सत्याग्रह' कर रही है। इसके तहत हर राज्य की राजधानी में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे। पार्टी ने राहुल की अयोग्यता के पीछे बीजेपी की 'घटिया चाल' को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस ने ये भी आरोप लगाया कि सरकार उनकी आवाज को दबाने के लिए नई तरकीबें ढूंढ़ रही, क्योंकि वो सच सुनने से घबराती है।

### कांग्रेस के 'मौन सत्याग्रह' पर सांसद रंजीत रंजन का बड़ा बयान, लोकतंत्र में विपक्ष को दबाने का किया जा रहा है प्रयास

राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने आज देशभर में कांग्रेस पार्टी द्वारा किए जा रहे मौन सत्याग्रह को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के डिसक्वालीफिकेशन के विरोध में यह मौन सत्याग्रह है। लोकतंत्र में जिस तरह से दबाने का प्रयास किया जा रहा है, सदन के बाहर इसके खिलाफ ये प्रदर्शन है।

राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने आगे कहा कि राहुल गांधी के डिसक्वालीफिकेशन के विरोध में सत्याग्रह करने जा रहे हैं। गुजरात हाईकोर्ट का फैसला आया है। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब निंदा करने के लिए 2 साल की सजा होती है। सदन से निष्कासित किया जाता है। गुजरात हाईकोर्ट से फैसला आया है, इसलिए हम गुजरात पर जोर लगा रहे हैं। कानून पर हमें पूरा विश्वास है। कानूनी प्रक्रिया के तहत सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी।

# हड़ताल पर गए कर्मचारियों पर सरकार हुआ सख्त

» एस्मा के बाद कार्रवाई का आदेश जारी

» एस्मा के बाद भी प्रदर्शन पर अड़े स्वास्थ्य कर्मचारी,

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)।** प्रदेश में संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। वहीं सरकार ने इनके आंदोलन को खत्म करने के लिए संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर एस्मा लगाया है। साथ ही काम पर नहीं लौटने वाले संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर कार्रवाई के लिए सभी कलेक्टरों को आदेश जारी किया है। अपर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने यह आदेश जारी किया है।

मगर इसके बाद भी कर्मचारी आर-पार की लड़ाई को उतारू हैं। वहीं इस आदेश के खिलाफ संविदा कर्मचारियों ने आज जल सत्याग्रह कर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सरकार ने लगाया एस्मा,

### टीएस सिंहदेव बोले- जनहित में लेने पड़ते हैं ऐसे फैसले

छत्तीसगढ़ में नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले प्रदेश के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सरकार ने सख्ती दिखाते हुए एस्मा लगा दिया है। संविदा कर्मचारियों पर एस्मा लगाए जाने को लेकर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, एस्मा लगा हुआ है उसके अंतर्गत कार्रवाई करनी पड़ेगी। जनहित में ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं।

दरअसल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव नई दिल्ली प्रवास से बुधवार को राजधानी रायपुर लौटे। इस दौरान रायपुर एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से चर्चा की। टीएस सिंहदेव ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से हुए मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में हवाई सेवा को लेकर बातचीत हुई है। इसके साथ ही जीएसटी विभाग की हुई बैठक को लेकर भी जानकारी दी है।

सीएम सिंहदेव ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात हुई। उनसे अंबिकापुर हवाई पट्टी को लेकर चर्चा हुई। हवाई पट्टी के संबंध में 67 बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई। कुछ तकनीकी समस्याएं हैं, उसे जल्द दूर किया जायगा। इसके साथ ही बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार पर भी चर्चा हुई। आर्मी से जमीन वापस मिल गई है। विस्तार के लिए सरकार जल्द प्रस्ताव केंद्र को देगी।

जीएसटी विभाग की बैठक पर डिप्टी सीएम ने कहा कि, कल 8 घंटे तक बैठक चली है। बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग का मुद्दा था। इससे 28 परसेंट से फेस वैल्यू पर टैक्स लिया जाएगा। इस फैसले से राजस्व बढ़ेगा।

वहीं, प्रदेश के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर एस्मा लगाए जाने पर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि मैं बाहर था, इसकी जानकारी नहीं है। एस्मा लगा हुआ है उसके अंतर्गत कार्रवाई करनी पड़ेगी। जनहित में ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं।

उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ सरकार ने 11 जुलाई को आपातकालीन सेवाओं के मद्देनजर स्वास्थ्य कर्मचारियों के खिलाफ एस्मा लगाया है। एस्मा लगने के बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अब स्वास्थ्य सेवाओं से इतर प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकेंगे। वहीं संविदाकर्मी सरकार के इस फैसले के विरोध में आज जल सत्याग्रह करने जा रही है।

# रायपुर क्रिकेट स्टेडियम पर करोड़ों का बिजली बिल बकाया

» बिजली विभाग कर रही वसूली की तैयारी

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)।** आपको यह खबर हैरान कर सकती हैं। बता दे कि रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वर्ल्डकप का इस दफे भी एक भी मैच नहीं होगा, इसके कई कारण हो सकते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरत होगी कि वर्ल्ड क्लास सुविधाओं वाले इस स्टेडियम के पास अपना खुद का स्थाई बिजली कनेक्शन तक नहीं। यही नहीं करीब सवा 3 करोड़ रुपए के भारी भरकम बिजली बिल के बोझ तले स्टेडियम दबा हुआ है। जब बिजली नहीं होगी तो जगमग रौशनी नहीं होगी और जब रोशनी नहीं होगी तो मैच का सवाल ही नहीं उठता। अब तो नियमित देखरेख के अभाव में ज़मीन भी दीमक खोखले करते जा रहे हैं।

आपको बता दें कि भारत का तीसरा और विश्व का चौथा सबसे बड़ा स्टेडियम, विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस 50 हजार से ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता, लेकिन जानकर हैरत होगी कि इस स्टेडियम के पास स्थाई बिजली कनेक्शन तक नहीं है। बिजली विभाग ने स्टेडियम में 2010 में स्थाई कनेक्शन दिया था, लेकिन उसके बाद से 2018 तक बिजली बिल एक बार भी भुगतान नहीं किया गया और अब ये बकाया लगभग 3 करोड 16 लाख रुपए तक पहुंच गई है। लिहाजा बिजली विभाग ने पहले कनेक्शन काटा और फिर बाद में मीटर भी हटा दिया। लेकिन इसके बाद भी खेल विभाग ने बिजली का बिल जमा नहीं किया और अब बिजली विभाग खेल विभाग को नोटिस जारी करने जा रहा है। और तो और बिल नहीं भरने की सूरत में कुर्की तक की तैयारी में है।

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम वैसे तो खेल विभाग के अधीन है, लेकिन ग्राउंड मेंटेनेंस का काम छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पास है। बिजली का स्थाई कनेक्शन कटने के बाद क्रिकेट संघ ने स्टेडियम मेंटेनेंस के लिए अस्थाई कनेक्शन ले रखा है, जिसका बिल भुगतान हर महीने हो रहा है। क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के मुताबिक क्रिकेट संघ स्टेडियम को लीज पर लेना चाहता है। इसके लिए खेल विभाग से बातचीत भी जारी है। लीज पर मिलने के बाद पूरे स्टेडियम का मेंटेनेंस क्रिकेट संघ अपनी दखरेख में करेगा। उसके बाद व्यवस्थाएं कुछ दुरुस्त होंगी ऐसा माना जा रहा हैं।शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इसी साल के शुरुआत में पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया, जो सफल रहा। मतलब साफहै की इस स्टेडियम में सभी वर्ल्ड क्लास की सुविधा उपलब्ध है। लेकिन बावजूद इसके वर्ल्ड कप क्रिकेट का एक भी मुकाबला क्यों नही मिला? वैसे तो इसके कई कारण है, लेकिन स्टेडियम में रौशनी करने के लिए बिजली का स्थाई कनेक्शन का न होना भी एक कारण माना जा रहा है। अब वजह चाहे जो भी हो छत्तीसगढ़ वासी विश्व कप क्रिकेट के मैचों को खुली आँख से मैदान में बैठकर देखने से वंचित रह गए हैं।

# शिक्षक भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को पहली बार दिया जा रहा स्कूल चुनने का विकल्प

» 14 जुलाई से खुलेगा पोर्टल

**रायपुर,12 जुलाई 2023 (ए)।** छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती के लिए व्यापम ने पिछले दिनों मुख्य परीक्षा के रिजल्ट घोषित कर दिया। जाहिर है, रिजल्ट आने के बाद स्कूल चुनने के लिए काउंसलिंग होगी। स्कूल शिक्षा विभाग इस बार स्कूलों का च्वाइस देने के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग करने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में यह पहली बार होगा, जब भर्ती परीक्षा के बाद ऑनलाइन काउंसलिंग होगी। पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन काउंसलिंग का फैसला किया गया है। इस बारे में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ0 आलोक शुक्ला ने बताया कि काउंसलिंग की तैयारी अब अंतिम चरण में है।

उधर, अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूरी कोशिश की जा रही कि 14 जुलाई से काउंसलिंग के लिए पोर्टल खुल जाए। पोर्टल में स्कूलों का च्वाइस करने के लिए अभ्यर्थियों को सात दिवस का समय दिया जाएगा। सात दिन की मियाद पूरी होने के बाद पोर्टल में से लिस्ट निकालकर देखा जाएगा कि संबंधित स्कूलों में पद खाली हैं या नहीं और हैं तो कितने पद रिक्त हैं। इसके बाद फिर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

### विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस विभाग में हुआ तबादला

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)।** विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश में तबादलों का दौर जारी है। इसी कड़ी के तहत बिलासपुर से रायपुर पहुंचे थाना प्रभारी फैजल होदाशाह को तेलीबांधा थाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं गौरव साहू को खम्हारडीह की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि रायपुर जिले में पदस्थ थाना प्रभारियों को अन्य जिलों के लिए रिलीव भी किया गया है. जिसका आदेश एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने जारी किया है।

# अब सीधी भर्ती के पहले अनुमति लेना जरूरी

» वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)।** छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरियों के लिए सीधी भर्ती के नए पदों पर भर्ती के पहले वित्त विभाग की अनुमति लेनी जरूरी होगी। वित्त विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि, समय-समय पर लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाने वाले सीधी भर्ती के रिक्त पदों और अनुकम्पा नियुक्ति के पदों को छोड़कर शेष सभी सीधी भर्ती के रिक्त पदों को भरने से पहले वित्त विभाग की अनुमति प्राप्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्देश में साफ कहा गया है कि, रिक्त पदों पर भर्ती के लिए समुचित प्रशासनिक सुगमता सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन की ओर से विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाने वाले सीधी भर्ती के रिक्त पदों एवं अनुकम्पा नियुक्ति के पदों को छोड़कर शेष सभी सीधी भर्ती के रिक्त पदों को भरने के पूर्व वित्त विभाग की अनुमति ली जाएं।

वित्त विभाग ने अपने आदेश में साफ कहा है कि 31 मार्च, 2022 के बाद और इस आदेश के जारी होने के मध्य जिन पदों पर भर्ती के विज्ञापन जारी किए जा चुके हैं उन पर भर्ती की कार्यवाही नियमानुसार जारी रहेंगी तथा ऐसे प्रकरणों में वित्त विभाग की पृथक से अनुमति प्राप्त किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

# 6 कर्मचारी बनाए गए सहायक जनसंपर्क अधिकारी

**रायपुर,12 जुलाई 2023 (ए)।** छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग में 6 कर्मचारियों को पदोन्नति के बाद नयी पोस्टिंग दी गयी है। छह कर्मचारियों को सहायक सूचना अधिकारी से सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर पदोन्नति दी गयी है। जिन कर्मियों का प्रमोशन हुआ है, उनमें माखनलाल ध्रुव को जनसंपर्क संचालनालय में यथावत रखा गया है, वहीं लल्लुदास मानिकपुरी को जनसंपर्क कार्यालय कोरिया, अनिल कुमार वर्मा को जनसंपर्क संचालनालय में यथावत, रचना मिश्रा को जनसंपर्क कार्यालय बिलासपुर में यथावत, ओमप्रकाश डहरिया को जनसंपर्क संचालनालय और अशोक चंद्रवंशी को जनसंपर्क संचालनालय में यथावत रखा गया है।

# हाईकोर्ट ने पीआईएल की सुनवाई करते जताई नाराजगी

» सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा,

» लगातार हो रही दुर्घटनाएं, मांगा जवाब

**बिलासपुर ,12 जुलाई 2023 (ए)।** छत्तीसगढ़ में सड़कों पर मवेशियों के जमावड़े और उसके कारण हो रही दुर्घटनाओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने कलेक्टर सहित नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत विभाग के अधिकारियों से जवाब मांगा है। दरअसल, हाईकोर्ट में संजय रजक और राजेश चिकारा की एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि मवेशियों को सुरक्षित रखा जाए, जिससे दुर्घटना की आशंका कम हो सके और राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोग सुरक्षित आवाजाही कर सकें।

हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अफसरों के अलावा कलेक्टर और निगम आयुक्तों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने कहा है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, 24 घंटे सड़कों पर मवेशी नजर आते हैं। सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। बिलासपुर की सड़कों पर भी स्थिति खराब मिली। राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात के समय बड़ी संख्या में मवेशियों के जमावड़ा रहता है। तेज रफ्तार भारी वाहनों की चपेट में आकर मवेशियों की भी मौत हो रही हैं। रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर के अलावा बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिदिन गोवंश की मौत हो रही है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के अलावा स्थानीय प्रशासन को प्रमुख पक्षकार बनाया है।

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नगरीय प्रशासन और पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग को नोटिस जारी कर इस संबंध में जानकारी मांगी थी। साथ ही यह भी जानकारी देने कहा था कि सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों के समुचित प्रबंधन के लिए क्या व्यवस्था की जा रही है।

# विधानसभा के अंतिम सत्र पर किसान-कर्मचारियों की नजर

**रायपुर, 12 जुलाई 2023 ( ए)** वर्तमान कांग्रेस सरकार के अंतिम विधानसभा सत्र को देखते हुए कई संगठनों ने घेराव का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा सत्र के पहले दिन विधानसभा का घेराव करेगी। साथ ही साथ अनियमित कर्मचारी महासंघ ने भी घेराव करने का नोटिस दिया है। छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख अनिल दुबे ने बताया कि विश्व धरोहर सिरपुर को बचाने के लिए किसान सत्याग्रह चल रहा है। सत्याग्रही किसान फसलों के समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने, बंद मंडियों को चालू करने और आदिवासी जमीन के डायवर्सन को निरस्त करने की मांग को लेकर विधानसभा के पहले दिन घेराव करेंगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ ने भी 6 सूत्रीय मांग को लेकर विधानसभा घेराव का निर्णय लिया है। कर्मचारियों का कहना है कि 21 जुलाई तक मांग पूरी नहीं होने की दशा में 1 अगस्त से नियमित कर्मचारियों के साथ अनिश्चित कालीन आंदोलन किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)